राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 30 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-191 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रामपुर में पाकिस्तानी नागरिक ने बेच डाली साढ़े 4 बीघा जमीन

● पांच लाख में हुआ सौदा, यूपी से लेकर गृह मंत्रालय तक हड़कंप

रामपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रामपुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पाकिस्तानी नागरिक ने ट्यूरिस्ट वीजा पर आकर एक कीमती जमीन को महज 5 लाख में सौदा कर दिया। यही नहीं रजिस्ट्री करने के बाद वह आराम से लौट गया। फिर पेमेंट लेने के लिए भारत आया और और पेमेंट लेकर पाकिस्तान वापस चला गया। इस मामले की शिकायत गृह मंत्रालय तक पहुंच चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार गृह मंत्रालय ने जांच बिठा दी है। विदेशी प्रभाग के संयुक्त निदेशक अनिल सुब्रहमण्यम मामले की जांच कर 15 दिन में अपनी रिपोर्ट देंगे। रामपुर में यासिर अली खान की ये पुश्तैनी जमीन है। वह इस जमीन के सह मालिक हैं। उन्होंने बताया कि इस पुश्तैनी जमीन की कीमत करीब 60 से 80 लाख रुपये है। पिछले दिनों जब उन्होंने अपना हिस्सा बेचने की कोशिश

की और कागज तैयार करवाने लगे तो पता चला कि इसका कुछ हिस्सा पहले ही बेचा जा चुका है। रिकॉर्ड से जांच कराई तो पता चला कि 70 वर्षीय जावेद खान जो रिश्ते में उनके दादा लगते हैं, रामपुर में 38 बीघा जमीन के सह-मालिक थे। इस जमीन पर आम के बाग थे। वह 90 के दशक में पाकिस्तान चले गए थे और वहां की नागरिकता भी ले चुके हैं। पाकिस्तान की नागरिकता मिलने के बाद, वह 2014 में भारत लौटे थे और करीब 4.7 बीघा का अपना हिस्सा एक रिश्तेदार को 5 लाख रुपये में बेच दिया और पाकिस्तान वापस चले गए। जानकारी के अनुसार 2014 में जावेद खान 90 दिन के ट्यूरिस्ट वीजा पर भारत आया और रामपुर 29 जनवरी को उसने किशनपुर अटरिया में कीमती जमीन महज 5 लाख रुपये में बेच दी। इस दौरान उसे कुछ पेमेंट पेंडिंग रह गई। इसके बाद वह अप्रैल में फिर वापस आया और इस बार पूरी पेमेंट लेकर पाकिस्तान वापस लौट गया। चौंकाने वाली बात ये रही कि किसी को कानो-कान खबर तक नहीं हुई। यासिर ने कानूनी मदद के लिए एनजीओ डी के फाउंडेशन से संपर्क किया। इसके अध्यक्ष, दानिश खान ने गृह मंत्रालय में एक याचिका दायर की। उनका कहना है कि जावेद खान के पाकिस्तानी नागरिक बनने के बाद उनका हिस्सा भारतीय कानून के तहत अपने आप 'शत्रु संपत्ति' घोषित हो जाना चाहिए था। दानिश ने कहा, उन्हें जमीन बेचने का कोई अधिकार नहीं था। यह सौदा गलत तरीके से किया गया है। वे चाहते हैं कि जमीन की बिक्री को रद्द कर दिया जाए। यह भी सवाल उठ रहे हैं कि पाकिस्तानी नागरिक होने के बावजूद जावेद के नाम पर आधार कार्ड और अन्य आईडी कैसे बन गए। दानिश खान कहते हैं कि हमने इस मामले की पूरी जांच करने और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। बिक्री को रद्द किया जाना चाहिए और संपत्ति को शत्रु संपत्ति कस्टोडियन को दिया जाए।

ट्रंप टैरिफ के खिलाफ 'गोलबंदी' पर निकले पीएम मोदी

● जापान में सफलता, चीन खोलेगा भारत के लिए दरवाजा!

बीजिंग/टोक्यो (एजेंसी)। जापान दौरे के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एशिया दौरा शुरू हो चुका है।

पीएम मोदी उस वक्त विदेशी दौरे पर निकले हैं, जब डोनाल्ड ट्रंप भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा चुके हैं, जिसका गंभीर असर भारतीय इकोनॉमी पर होने की आशंका है। प्रधानमंत्री मोदी की जापान और चीन की यात्रा करने का मकसद ट्रंप की टैरिफ के भारत पर असर को कम करना और घनिष्ठ राजनयिक संबंध बनाना है। हालांकि जापान भारत का पुराना दोस्त रहा है और पीएम मोदी को टोक्यो में कामयाबी मिली भी है, लेकिन सवाल चीन को लेकर है कि क्या चीन, भारतीय उत्पाद के लिए अपने दरवाजे खोलेगा। चीन कई तरह से भारतीय प्रोडक्ट्स को चीनी बाजार में आने से रोकता रहा है। जिसमें कई तरह के सीमा नियम, चेकिंग के नाम पर प्रोडक्ट को हफ्तों तक बंदरगाहों पर रोकना और फिर खराब क्वालिटी का हवाला देकर जहाजों को बैरंग वापस लौटाना शामिल रहा है। इससे भारतीय कारोबारियों को काफी नुकसान उठाना पड़ता है, इसीलिए सवाल ये है कि क्या चीन, जो अमेरिकी टैरिफ के खिलाफ भारत के साथ होने की बात कर रहा है, वो भारतीय सामान को चीन के बाजार में आसानी से जाने के देने के लिए सहमत होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टोक्यो में भारत-जापान आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए भारत को एक निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करने की वकालत की और कहा, कि दुनिया न सिर्फ भारत पर नजर रख रही है, बल्कि उस पर भरोसा भी कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी जापानी समकक्ष शिगेरु इशिबा के साथ वार्ता भी करेंगे।

आप 'टेक पावर' तो हम हैं 'टैलेंट पावर' हाउस

● मिलकर करें दुनिया का नेतृत्व, जापान में पीएम का आह्वान

टोक्यो (एजेंसी)। जापान के दो दिवसीय दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान से पार्टनरशिप में काम करने का आह्वान करते हुए कहा है कि जापान जहां 'टेक पावर' हाउस है तो वहीं भारत 'टैलेंट पावर' हाउस है। उन्होंने कहा कि दोनों देश मिलकर टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में पूरी दुनिया का नेतृत्व कर सकते हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने जापानी मैन्युफैक्चरर्स को भारत आने का न्योता दिया और 'मेक इन इंडिया' के तहत पूरी दुनिया के लिए निर्माण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, मेक इन इंडिया फॉर होल वर्ल्ड। उन्होंने कहा कि आज टेक्नोलॉजी और टैलेंट ही दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। टोक्यो में भारत-जापान इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जापान की प्रौद्योगिकी और भारत की प्रतिभा मिलकर इस सदी की प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व कर सकती है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत निवेश के लिए सबसे प्रॉमिसिंग डेस्टीनेशन है। 80 प्रतिशत कंपनियां भारत में विस्तार करना चाहती हैं और 75 प्रतिशत पहले से मुनाफे में है। इसका मतलब है कि भारत में पूंजी सिर्फ बढ़ती ही नहीं है बल्कि कई गुना हो जाती है।

अमित शाह का सिर काटकर टेबल पर रख देना चाहिए

● महुआ मोइत्रा का विवादित बयान, कहा-घुसपैठ के लिए गृहमंत्री खुद जिम्मेदार

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा एक बार फिर विवादों में हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर एक विवादास्पद बयान दिया है। मोइत्रा ने कहा कि अगर अमित शाह बांग्लादेशी घुसपैठ को नहीं रोक पाते हैं, तो उनका सिर काटकर प्रधानमंत्री की टेबल पर रख देना चाहिए। उनके इस बयान से सियासी माहौल गरमा गया है। पहले भी मोइत्रा कई विवादों में रह चुकी हैं। इनमें संसद में अपशब्दों का इस्तेमाल, जैन समुदाय पर टिप्पणी, पूर्व चीफ जस्टिस पर टिप्पणी, मां काली पर विवाद, विधान पर बयान और कैश-फॉर-क्वेरी विवाद शामिल हैं। महुआ मोइत्रा ने गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय की है। यह सीधे तौर पर गृह मंत्री की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री 15 अगस्त को लाल किले से घुसपैठ पर बोल रहे थे, तो उस वक्त पहली पंक्ति में बैठकर गृहमंत्री ताली बजा रहे थे।

मारो और तोड़ो, सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे

पटना और दरभंगा कांग्रेस दफ्तर में तोड़फोड़ पर बोले राहुल गांधी

बेतिया, गोपालगंज (एजेंसी)। बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का आज 13वां दिन था। राहुल बेतिया होते हुए गोपालगंज पहुंचे। यहां वे तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य के साथ रोड शो कर रहे हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है।

हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पटना में पार्टी की बिहार यूनिट के ऑफिस पर भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी। शुक्रवार को उन्होंने कहा कि सत्य और अहिंसा के आगे, असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। कांग्रेस सत्य और संविधान की रक्षा करती रहेगी। इससे पहले बेतिया में उन्होंने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। चनपटिया से शुरू हुई यात्रा हरि वाटिका चौक पहुंची, जहां गांधी जी की प्रतिमा पर माला चढ़ाकर उन्हें नमन किया। यात्रा में समर्थकों से मिलने के दौरान तेजस्वी यादव के हाथ में चोट लगी है। गाड़ी के गेट में उनका हाथ दब गया, जिससे उन्हें हल्की चोट आई।

राहुल की यात्रा में पीएम को गाली भिड़े बीजेपी-कांग्रेस कार्यकर्ता

पटना में चले लाठी-डंडे, ईंट-पत्थर, गाली देने वाला आरोपी गिरफ्तार

पटना, दरभंगा (एजेंसी)। बीजेपी कार्यकर्ता कांग्रेस ऑफिस के बाहर प्रदर्शन के लिए पहुंचे थे। वो राहुल गांधी के

खिलाफ नारेबाजी करने लगे। थोड़ी देर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी नारेबाजी शुरू कर दी। देखते ही देखते दोनों पार्टी के लोग आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले। कई गाड़ियों में भी तोडफ़ोड़ की गई है। बवाल के बाद पुलिस ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को वहां से खदेड़ा। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता जमीन पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। 30 मिनट चले प्रदर्शन के बाद पुलिस ने सभी कांग्रेसियों को सड़क से हटाकर जाम खुलवाया। इस मामले में केंद्रीय गृहमंत्री का बयान आया है। उन्होंने कहा- राहुल गांधी की यात्रा में पीएम मोदी की माताजी के लिए अपशब्द बोलकर कांग्रेस ने सबसे घृणित काम कांग्रेस ने किया है। जिस प्रकार की राजनीति राहुल गांधी ने शुरू की है, वो हमारे सार्वजनिक जीवन को ऊंचाई नहीं देगी। ये आज से नहीं है, नरेंद्र मोदी जब से पीएम बने तब से सोनिया-राहुल गांधी, मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री को गालियां दी हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा-सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है - हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते। पीएम को गाली देने के मामले में दरभंगा पुलिस ने गुरुवार देर रात रिजवी उर्फ राजा नाम के युवक को गिरफ्तार किया है।

'सुपरहिट' सीएम योगी का नजर आया बदला हुआ अंदाज

● हॉकी के मैदान में आजमाया हाथ, टर्फ पर लगाया जोरदार शॉट

लखनऊ (एजेंसी)। राजनीति की पिच पर सुपर हिट योगी आदित्यनाथ अपने विरोधियों पर हमला बोलने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। देश के सबसे बड़े सूबे के मुख्यमंत्री बनने के बाद से सीएम योगी लगातार अपने कामकाज से चर्चाओं में बने रहते हैं। अपराध और अपराधियों के लिए काल बन चुके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कभी क्रिकेट

की पिच पर हाथ आजमाते नजर आ जाते हैं तो कभी हॉकी के मैदान में शॉट लगाते दिखाई पड़ते हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को मुख्यमंत्री का बदला-बदला अंदाज देखने को मिला है। सीएम योगी हॉकी से शॉट लगाते नजर आए हैं। दरअसल यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर लखनऊ के गोमतीनगर स्थित पद्मश्री मोहम्मद शाहिद सिंथेटिक हॉकी स्टेडियम में आयोजित समारोह में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को नमन करते हुए खिलाड़ियों से मुलाकात की।

थोड़ी भी शर्म बची है तो माफी मांग लें राहुल गांधी

● पीएम मोदी को गाली देने पर भड़क गए अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को उनकी वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के लिए कहे गए 'अपशब्दों' के लिए माफी मांगनी चाहिए। शाह ने दावा किया कि बिहार में गांधी की 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' के साथ उनकी राजनीति 'निम्नतम स्तर' पर पहुंच गई है। उन्होंने यहां राजभवन की नवनिर्मित इकाई ब्रह्मपुत्र का उद्घाटन करने के बाद कहा, 'अगर राहुल गांधी में थोड़ी भी शर्म बची है तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए। देश उन्हें और उनकी पार्टी को घृणा से देख रहा है।' शाह और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर गुरुवार को भी निशाना साधा था। दरअसल एक कथित वीडियो सामने आया था जिसमें एक अज्ञात व्यक्ति दरभंगा शहर में यात्रा के दौरान बनाए गए मंच से मोदी के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करता हुआ दिखाई दे रहा था। इसी स्थान से गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव

मोटरसाइकल से मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हुए थे। शाह ने कहा, 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा कांग्रेस के वोट बैंक की रक्षा के लिए है, किसी भी लोकतंत्र में चुनाव उसकी आत्मा होती है।

गणेश उत्सव के बीच जरांगे ने शुरू किया 'खेला'

● मराठा आरक्षण के शोर से टेंशन में महाराष्ट्र की सरकार ● जरांगे के दोहरे दांव ने उड़ाई सीएम फणनवीस की नींद

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र एक तरफ जहां 10 दिवसीय गणेशोत्सव के रंग में रंगा हुआ है और गणपति की भक्ति में डूबा हुआ है, उसी बीच मराठों को आरक्षण दिलाने के लिए लंबे समय से लड़ाई लड़ रहे मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल ने मुंबई के आजाद मैदान में अपना अनशन शुरू कर दिया है। वे राज्य में देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली महायुति सरकार से मराठों के लिए आरक्षण का अपना वादा पूरा करने की मांग कर रहे हैं। जरांगे ने पिछले साल भी मुंबई में मार्च किया था, तब एकनाथ शिंदे

सरकार ने उन्हें मराठों को आरक्षण देने का भरोसा दिलाकर मना लिया था। हालांकि, मनोज जरांगे और मराठा आंदोलनकारियों को सरकार ने कुछ शर्तों के साथ आजाद मैदान में सिर्फ एक दिन के लिए विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति दी है,लेकिन जरांगे ने अनशन का ऐलान किया है। लिहाजा, सरकार और आंदोलनकारियों के बीच टकराव तय है।

● **लोकसभा चुनावों में मराठों के विरोध का खामियाजा-** 2024 के लोकसभा चुनावों में जरांगे पाटिल द्वारा मराठों से भाजपा का बहिष्कार करने का आह्वान कारगर रहा था। यही कारण बना कि सत्तारूढ़ भाजपा 28 संसदीय सीटों पर चुनाव लड़कर केवल 9 पर ही जीत सकी। जबकि उनके सहयोगी दल 20 सीटों पर लड़कर 8 सीट जीत सके। हालांकि, विधानसभा चुनावों से पहले, भाजपा और उसके गठबंधन ने उन ओबीसी समुदायों को एकजुट करने पर ध्यान केंद्रित किया, जो कुनबी (सबसे बड़े ओबीसी समूहों में से एक जो अलग से ओबीसी आरक्षण की मांग कर रहा है) के लिए आवंटित मराठों को आरक्षण का लाभ देने का विरोध कर रहे हैं। इस रणनीति का चुनावों में अच्छा परिणाम मिला और पार्टी 148 सीटों पर चुनाव लड़कर 132 सीटें जीतकर सत्ता में वापस आ गई।

राहुल गांधी के स्क्रिप्ट राइटर का सम्मान होना है जरूरी

● हरियाणा सीएम बोले-तीन मुद्दे दिए, तीनों पर नाकाम

ईवीएम, संविधान के बाद अब नया पैतरा भी होगा फेल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राहुल गांधी की टिप्पणी के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तीखा हमला बोला। दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की स्क्रिप्ट लिखने वाले को सम्मानित किया जाना चाहिए, क्योंकि उसने उन्हें तीन बड़े मुद्दे दिए, लेकिन राहुल गांधी तीनों में नाकाम साबित हुए। सैनी ने कहा कि पहले राहुल

गांधी से ईवीएम पर सवाल उठवाए गए, लेकिन कांग्रेस पूरे देश में हार गई। इसके बाद उन्होंने संविधान को मुद्दा बनाया, लेकिन उसमें भी सफलता नहीं मिली। तीसरी बार उन्होंने वोट चोरी का मुद्दा उठाया, लेकिन इसमें भी वे असफल दिख रहे हैं। सीएम सैनी ने आरोप लगाया कि इन सबके बाद अब राहुल हताश हो चुके हैं और पीएम के लिए गलत बोल रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मौजूदा दौर में भारत- चीन संबंधों की तार्किकता

यहां कोई गलती न रहे, कि चीन-पाकिस्तान संबंधों के प्रगाढ़ होने के मद्देनज़र, भारत को अपनी समूची उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं को लेकर एक कठिन विदेश नीति चुनौती दरपेश है। इसके अलावा, पाकिस्तान और अमेरिका के बीच दोस्ती बढ़ती जा रही है - क्योंकि जहां भारत 50 प्रतिशत जितने उच्च अमेरिकी टैरिफ से जूझ रहा है, वहीं पाकिस्तान पर सिर्फ 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। भारत द्वारा यह मानने से इंकार कर देना कि ट्रंप यानी अमेरिका ने मई में भारत-पाकिस्तान संघर्ष में शांति स्थापना करवाने में भूमिका निभाई थी, साफ है कि ट्रंप की नाराज़गी इससे है।

द ग्रेट गेम

करीब एक दशक से भारत का नीतिगत झुकाव अमेरिका की ओर था। अन्य देशों पर ध्यान कम रहा। लेकिन हालिया ऊंचे टैरिफ नीति से द्विपक्षीय रिश्ते कठिन दौर में हैं। हालांकि चीनी मंसूबे भी जगजाहिर हैं लेकिन संतुलन के लिए रूस के अलावा चीन से भी सहयोग समय की मांग है।

नाश्ता दिल्ली में, दोपहर का भोजन लाहौर में और रात का खाना काबुल में, क्या कोई कर सकता है? दक्षिण एशिया के लोगों के बीच सीमाओं को मिटाने का पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का दिया बहुचर्चित नारा आज भी जीवंत और सटीक है -फर्क केवल इतना है कि इस पर अमल चीनी विदेश मंत्री वांग यी कर रहे हैं।

गत हफ़्ते की शुरुआत में यही हुआ। जब भारत बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर बने विवाद और विपक्षी कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए 'वोटों की चोरी' के आरोपों में उलझा पड़ा था, उस बीच चीनी नेता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा वार्ता के एक और दौर के लिए दिल्ली आए। वांग ने प्रधानमंत्री मोदी को इस महीने के अंत में चीन के तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया- जिसको प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया।

इसके बाद वांग यी तालिबान से मिलने और अपने पाकिस्तानी एवं अफ़ग़ान समकक्षों के साथ त्रिपक्षीय बैठक में भाग लेने के लिए काबुल पहुंचे। वहां से वे अपने 'आजमाया हुआ लौह बंधु' के साथ चीन की सामरिक साझेदारी का वचन दोहराने इस्लामिक गणराज्य पाकिस्तान पहुंचे। एक ही में दिन में तीन देश-मानो मनमोहन सिंह की कही पर अमल कर रहे हों, फिर क्या हुआ अगर कुछ गंतव्य स्थल अलग रहे। वांग यी की यात्रा ने पाकिस्तान के गृह मंत्री को यह कहने का मौका दिया कि उनके देश के पास ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी वायु सेना द्वारा भारतीय विमानों को मार गिराए जाने के वीडियो फुटेज हैं। क्या यह पाकिस्तानियों का सरासर झूठ है? लाजिमी है भारतीयों को यही उम्मीद है। भारतीय वायु सेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने हमें बताया है कि ऑपरेशन के दौरान भारतीय वायुसेना ने पांच पाकिस्तानी जेट विमानों को मार गिराया है। हालांकि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान पहले ही स्वीकार चुके हैं कि टकराव में भारत को भी कुछ हवाई सैन्य नुकसान जरूर हुआ है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने जहाज। तीन महीने से भी ज़्यादा समय बीत जाने के बाद भी इस विषय पर चुप्पी है। वस्तु स्थिति जानना निश्चित रूप से अच्छा होगा।

चलिए, फिर से वांग यी की दक्षिण एशियाई कूटनीति पर लौटते हैं। काबुल में, उन्होंने तालिबान को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया कि अफ़गानिस्तान अगर पाकिस्तान में आतंकवादी हमले बंद नहीं करता है, तो चीन निवेश नहीं करेगा। इस्लामाबाद पहुंचने पर, जहां उनके स्वागत को लाल कालीन बिछाया गया, उन्होंने 'आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान के अथक प्रयासों की सराहना की'। इससे पहले जुलाई की शुरुआत में, चीनी वायुसेना प्रमुख ने भारत के खिलाफ पाकिस्तानी वायुसेना की कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए इसे आधुनिक युद्ध का 'आदर्श उदाहरण' बताया था।

यहां कोई गलती न रहे, कि चीन-पाकिस्तान संबंधों के प्रगाढ़ होने के मद्देनज़र, भारत को अपनी समूची उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं को लेकर एक कठिन विदेश नीति चुनौती दरपेश है। इसके अलावा, पाकिस्तान और अमेरिका के बीच दोस्ती बढ़ती जा रही है - क्योंकि जहां भारत 50 प्रतिशत जितने उच्च अमेरिकी टैरिफ से जूझ रहा है, वहीं पाकिस्तान पर सिर्फ 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। भारत द्वारा यह मानने से इंकार कर देना कि ट्रंप यानी अमेरिका ने मई में भारत-पाकिस्तान संघर्ष में शांति स्थापना करवाने में भूमिका निभाई थी, साफ है कि ट्रंप की नाराज़गी इससे है। इसी वजह से वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने भारत और भारतीय कंपनियों पर रूसी तेल की खरीद से 'मुनाफाखोरी' करने का आरोप जड़ा है।

आसमान गहराता देख विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस गए, जहां रूस ने भारत को दिए जाने तेल की कीमतों में और कटौती का प्रस्ताव दिया है वहीं अच्छी खबर यह है कि भारत सरकार के दिल में पुनर्संतुलन की स्थिति बन रही है।

एक लंबे अर्से तक, पिछले एक दशक से ज्यादा, भारत द्वारा अमेरिका की तरफ बनता झुकाव इसके अन्य गंभीर रिश्तों की कीमत पर रहा। ऐसा आरोप कोई नई बात नहीं है - भारत का कुलीन वर्ग लंबे समय से न्यूयॉर्क और वाशिंगटन डीसी के बेहतरीन रेस्तरां में खाने-पीने का लुत्फ लेता आया है और उसके बच्चे आइवी लीग विश्वविद्यालयों में पढ़े हैं; मोदी के कार्यकाल में भी यह स्थिति शायद ही अलग रही हो।

अंतर्राष्ट्रीय पटल पर अन्य प्रमुख शक्तियों की अनदेखी के परिणामस्वरूप जो अंतर बना वह है आपसी ख्याल एवं सम्मान की अनुपस्थिति। अमेरिका में भारत की असाधारण रुचि ने अन्य देशों के साथ रिश्तों को अमेरिकी चश्मे से देखने वाला रवैया बनाया। किंतु प्रकाश की गति से चलने वाली दुनिया में, जहां सबसे ज्यादा गर्मजोशी भरे रिश्ते भी दिन ढलते-ढलते ठंडे पड़ जाते हैं, वह तरीका राष्ट्रीय हित के लिए प्रतिकूल बनता जा रहा था।

यहां कोई गलती न रहे कि महत्वपूर्ण विदेश नीतिगत संबंधों में अमेरिका भारत के लिए अभी भी सबसे अहम बना हुआ है। लेकिन फिर गगन में अन्य सितारे भी तो हैं - एक तरह से देखा जाए तो ट्रम्प के हालिया बुरे व्यवहार से लंबे समय से नज़रअंदाज रखी जाने वाली बात समझ में आ ही गई है।

ट्रम्प की डींगें कि उन्होंने दुनिया के कई संघर्षों को मध्यस्थ बनकर रुकवा दिया है, उनकी इस विराट आत्म-मुग्धता को मान्यता देने से इंकार करके मोदी ने निश्चित तौर पर भारत के दिल में अमेरिका के प्रति उठती हिलोरों पर विराम लगा दिया है। लेकिन यह बदलाव का सिर्फ एक पहलू है। दूसरा यह है कि भारत को अपने जुबान पर नियंत्रण रखते हुए, अपने सबसे कड़े प्रतिद्वंद्वी चीन के साथ कुशलता पूर्वक बरतना होगा। यही वजह है कि पिछले हफ़्ते की शुरुआत में चीनी विदेश मंत्री से बातचीत हुई और इसी महीने के अंत में प्रधानमंत्री चीन जाएंगे। मोदी को पता है कि हाथ में पत्ते कम होने के नाते, बतौर एक देश अपना समय निकालना होगा - क्योंकि पहिए का फिर से घूमना तय है।

इस पुनर्स्थापना का एक दिलचस्प पहलू यह है कि भारत अमेरिका से भी संपर्क साधे रखेगा। अमेरिका इतना शक्तिशाली है कि उसे नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता और उससे दुश्मनी घातक है; निश्चित रूप से आप अमेरिकियों को अपनी तरफ रखना चाहेंगे, जैसा कि फ़ील्ड मार्शल असीम मुनीर बखूबी जानते हैं (पाकिस्तानियों को अमेरिका में एक शक्तिशाली पैरवीकार मिल गया है, जिसमें ट्रंप का एक पूर्व अंगरक्षक भी शामिल है, जिसने बाद में व्हाइट हाउस में भी काम किया है)। और जैसा कि यूरोपीय नेताओं के समूह को करते पाया जब वे यूक्रेनी राष्ट्रपति का हौसला बढ़ाने के लिए ट्रंप की मेज पर पहुंचे- अमेरिकी राष्ट्रपति की मनुहार उस सुबह एक कवायद थी।

यही वजह है कि अगले महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क जाने पर मोदी ट्रंप से मिलना चाह रहे हैं। और इस यात्रा से पहले भारत ने अमेरिकी कपास पर लगाया जाने वाला 11 प्रतिशत आयात शुल्क निलंबित कर दिया है-ताकि भारतीय कृषि बाजार को और अधिक खोलने से इनकार करने से पैदा हुआ अमेरिका का गुस्सा कुछ शांत हो सके।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

संपादकीय

कोचिंग की मजबूरी

हाल के दिनों में कोचिंग का तेजी से बढ़ता प्रचलन अभिभावकों के बजट को बिगाड़ रहा है। छात्रों का कोचिंग जाना धीरे-धीरे अपरिहार्य माना जाने लगा है। जिसके चलते माता-पिता को अपने अन्य जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। हाल ही में भारत सरकार के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि देश भर के लगभग हर चार में से एक स्कूली छात्र ने इस वर्ष निजी कोचिंग ली। कुल मिलाकर देश के 27 फीसदी विद्यार्थी निजी कोचिंग लेते हैं। यह प्रतिशत शहरों में ज्यादा है, जो सर्वे में करीब 31 फीसदी पाया गया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की तुलना में कम- 25 फीसदी पाया गया है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में यह कोई वैकल्पिक सुविधा नहीं है बल्कि शिक्षा प्रणाली की विसंगतियों से अपने बच्चों को उबारकर उनके बेहतर भविष्य की आस का जरिया है। उस स्थिति से उबरने की कोशिश है जो छात्रों को परीक्षा से पूर्व तनाव व परेशानी में धकेल देती है। केंद्र सरकार के व्यापक वार्षिक माड्यूलर सर्वेक्षण यानी सीएमएस में खुलासा हुआ है कि शहरी परिवार कोचिंग पर साल में औसतन चार हजार रुपये खर्च करते हैं। वहीं उच्चतर माध्यमिक छात्रों के लिये राशि बढ़कर दस हजार रुपये हो जाती है। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च कम हो जाता है। लेकिन फिर भी परिवार की आय पर दबाव जरूर बनाता है। कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (शिक्षा) के ये आंकड़े एक सच्चाई को उजागर करते हैं कि स्कूली पढ़ाई छात्रों की सभी जिज्ञासाओं को शांत नहीं कर पाती। यानी स्कूल छात्रों की परीक्षाओं के लिये अपेक्षित आत्मविश्वास प्रदान करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहे हैं। जाहिर बात है कि यदि स्कूलों में पढ़ाई छात्राओं की आकांक्षाओं के अनुरूप हो और उनकी जिज्ञासा कक्षा की पढ़ाई के दौरान शांत हो जाए, तो वे कोचिंग की आवश्यकता महसूस नहीं करेंगे। सर्वे बताता है कि आज देश में 56 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों में शिक्षा ले रहे हैं। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह संख्या दो दिहाई है। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में कोचिंग का बढ़ता प्रचलन आकांक्षाओं से ज्यादा व्यवस्थागत कमजोरी का संकेत है। वहीं पंजाब और हरियाण में,यह प्रचलन ज्यादा है जहां बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं का अधिक दबाव हावी रहता है। जिसके चलते कुकरमुत्तों की तरह कोचिंग सेंटर उग रहे हैं। नतीजा साफ है कि कक्षाओं में ठीक से पढ़ाई न होने के कारण छात्रों का ध्यान व पैसा स्कूल के समानांतर चलाए जा रहे कोचिंग सेंटरों को जा रहा है। कोचिंग सेंटर, जिनका मकसद सिर्फ मुनाफा जुटाना ही है, वे समाज में एक कृत्रिम स्पर्धा ट्यूशन पढ़ने व न पढ़ने वाले छात्रों के बीच पैदा कर रहे हैं। पारिवरिक परिस्थितियों के चलते ट्यूशन न पढ़ने वाले छात्र असुरक्षा व हीन भावना के शिकार हो जाते हैं। दरअसल, इस समस्या का समाधान कोचिंग को बाजार हिस्सा मानकर नहीं किया जा सकता है। प्रतिबंध या सीमाएं निर्धारण से भी समस्या का समाधान करने के बजाय हम इस मुद्दे को और जटिल बना देंगे। बेहतर होगा कि स्कूल में कमजोर छात्रों को स्कूल के समय बाद अतिरिक्त कक्षाओं के जरिये मजबूती प्रदान की जाए। खासकर बोर्ड की परीक्षाओं में शामिल हो रहे छात्रों पर अधिक ध्यान व समय देकर स्कूल प्रबंधक रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी नहीं पड़ेगा। अधिक विषयों के लिये योग्य शिक्षकों की नियुक्ति व रटने के बजाय समझने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देकर भी कोचिंग प्रथा को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही स्कूलों में छात्रों का मध्यावधि मूल्यांकन भी मददगार साबित हो सकता है।

सुविधा के साथ अधिकारियों की सख्ती भी

नया इनकम टैक्स कानून

नए कानून में टैक्स अधिकारियों को सशक्त बनाया गया है। नए इनकम टैक्स कानून में गलत या अधूरी जानकारी देने पर भारी जुर्माना सुनिश्चित किया गया है। बकाया टैक्स का भुगतान न करने पर अधिक ब्याज और पेनल्टी है। आय छिपाने पर अकाउंट सीज़ और संपत्ति जब्त करने के अधिकार होंगे।

हाल ही में 25 अगस्त को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के विधायी सदस्य आरएन परबत ने कहा कि नए इनकम टैक्स कानून को लागू करने के मद्देनजर दिसंबर, 2025 के अंत तक नए नियमों के अनुरूप नए टैक्स फॉर्म सहित संपूर्ण तैयारी पूरी कर ली जाएगी। उल्लेखनीय है कि 21 अगस्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा लोकसभा और राज्यसभा में पारित इनकम टैक्स बिल 2025 को मंजूरी दिए जाने के बाद यह कानून के रूप में अधिसूचित कर दिया गया है। नया इनकम टैक्स कानून 1 अप्रैल, 2026 से मौजूदा इनकम टैक्स कानून 1961 की जगह लागू होगा। वस्तुतः नया इनकम टैक्स कानून महज कुछ धाराओं का बदलाव नहीं, बल्कि पूरी टैक्स व्यवस्था का कायापलट है। इससे देश में टैक्स सिस्टम के डिजिटल और सरल युग का नया दौर शुरू होने जा रहा है। इससे नए करदाता अपनी आमदनी के मुताबिक इनकम टैक्स देने के लिए बाध्य होंगे और नए कानून से देश की आर्थिक रफ्तार भी बढ़ेगी। खास बात यह भी है कि अभी मौजूदा इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

उल्लेखनीय है कि नया इनकम टैक्स कानून नई जरूरतों के मद्देनजर तैयार हुआ है। वर्ष 1961 में मौजूदा आयकर कानून लागू किए जाने के बाद से अब तक आयकर कानून की विभिन्न कमियों को दूर करने के लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं। स्थिति यह है कि 1961 के इनकम टैक्स कानून में वर्ष 2024 तक 4,000 से ज्यादा संशोधन व सुधार हुए हैं। ऐसे जटिल हो चुके इनकम टैक्स कानून को सरल और व्यावहारिक बनाने के लिए नया इनकम टैक्स कानून 2025 एक सराहनीय कदम है।

निःसंदेह, नया इनकम टैक्स कानून पुराने कानून को लगभग 50 प्रतिशत तक सरल बनाता है। नया इनकम टैक्स कानून भाषा को आसान बनाने के साथ ही कटौतियों को स्पष्ट करता है और विभिन्न प्रावधानों के बीच क्रॉस रेफरेंसिंग को मजबूत करता है। नया कानून गृह संपत्ति से होने वाली आय, जिसमें मानक कटौती और गृह ऋण पर निर्माण-पूर्व ब्याज शामिल है, से जुड़ी अस्पष्टताओं को दूर करता है। नए कानून के माध्यम से टैक्स कानून को सरल बनाते हुए उसके पेजों की संख्या को आधा कर दिया गया है और अप्रासंगिक हो चुके प्रविधानों को हटा दिया गया है। अभी इनकम टैक्स रिटर्न भरने के दौरान मूल्यांकन वर्ष और वित्त वर्ष का उल्लेख करना होता था, लेकिन नए कानून में केवल टैक्स ईयर का उल्लेख करना होगा। साथ ही जिस वित्त वर्ष का टैक्स भरा जाएगा उसे ही टैक्स ईयर कहा जाएगा।

नए इनकम टैक्स कानून में वेतनभोगियों के लिए लाभप्रद प्रावधान हैं। बिना किसी कर देनदारी के शून्य टीडीएस सर्टिफिकेट की सुविधा मिलेगी। निजी पेंशन योजनाओं में एकमुश्त निकासी पर कर छूट मिलेगी। सरकार की यूपीएस पेंशन के तहत भी कर छूट के लाभ मिलेंगे। टीडीएस दावों में सुधार के विवरण दाखिल करने की समय सीमा घटाई गई है। नए इनकम टैक्स कानून के तहत छोटे करदाताओं को कुछ विशेष सुविधाएं दी गई हैं। नए टैक्स कानून में एमएसएमई की नई परिभाषा को टैक्स प्रविधान से जोड़ दिया गया है। अस्थायी रूप से खाली पड़ी इमारत या घरों पर नोशनल रेट टैक्स नहीं लगेगा। व्यावसायिक प्रापर्टी को इस तरह परिभाषित किया गया है कि अगर उनका अस्थाई रूप से इस्तेमाल न हो तो उन पर हाउस प्रापर्टी की तरह टैक्स नहीं लिया जाएगा। व्यवसायी, कारोबारी और कंपनियों द्वारा गैर-लाभकारी संगठनों व धार्मिक ट्रस्टों को दिए जाने वाले गुमनाम दान पर टैक्स छूट जारी रहेगी।

नए कानून में टैक्स अधिकारियों को सशक्त बनाया गया है। नए इनकम टैक्स कानून में गलत या अधूरी जानकारी देने पर भारी जुर्माना सुनिश्चित किया गया है। बकाया टैक्स का भुगतान न करने पर अधिक ब्याज और पेनल्टी है। आय छिपाने पर अकाउंट सीज़ और संपत्ति जब्त करने के अधिकार होंगे। यदि किसी खर्च का विवरण आईटीआर में नहीं है और उस खर्च के बारे में विभाग को संतोषप्रद जवाब नहीं दिया जाता है तो उसे भी आय मान लिया जाएगा। टैक्स अधिकारी एकाउंट बुक को जांच के लिए 15 दिनों तक रख सकते हैं। नए कानून में प्रविधान के मुताबिक सर्च के दौरान सभी डिजिटल डॉक्यूमेंट्स जैसे कि फोन, लैपटॉप, ईमेल या अन्य डिजिटल उपकरण को टैक्स अधिकारी अपने कब्जे में ले सकता है।

देश में विगत एक दशक में इनकम टैक्स पैयर्स और इनकम टैक्स संग्रहण में आशातीत इजाफा हुआ है, उसे अब और बढ़ाया जा सकेगा। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 1 अप्रैल से 11 अगस्त के बीच शुद्ध प्रत्यक्षकर संग्रह 6.64 लाख करोड़ रुपये रहा है और सम्पूर्ण वर्ष में यह पिछले वर्ष के संग्रहण से अधिक होगा, लेकिन देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इनकम टैक्स का योगदान बहुत कम बना हुआ है।

पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में टैक्स से जीडीपी अनुपात 11.7 फीसदी रहा है। वस्तुतः कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ती है। सरकार की मुट्ठियों में बढ़ता कर राजस्व न केवल अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद करता है बल्कि यह सरकार को अपने करदाताओं के प्रति जवाबदेह भी बनाता है। साथ ही यह वित्तीय वर्ष की बेहतर योजना और बजट बनाने में मदद करता है।

उम्मीद करें कि एक अप्रैल 2026 से लागू होने वाला नया इनकम टैक्स कानून 2025 आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने, टैक्स जटिलता और मुकदमों में कमी लाने और टैक्स संग्रहण बढ़ाने में महत्वपूर्ण उपयोगिता देगा।

लेखक अर्थशास्त्री हैं।

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें।

कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना।

लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

विचार मंथन

सेलिब्रिटीज, सामाजिक और नैतिक जवाबदारी को समझें

लेखक- सनत जैन

आज के दौर में जब समाज तेज़ी से बदल रहा है। तब नेतृत्व करने वाले सेलिब्रिटीज की भूमिका केवल दिशा दिखाने तक सीमित नहीं रह सकती है। उन्हें समझना होगा, उनके शब्द, व्यवहार, आचरण और निर्णय का आम लोगों पर गहरा असर होता है। सेलिब्रिटीज चाहे राजनीतिक नेता हो, धार्मिक गुरु हो, प्रोफेसर हो या वैज्ञानिक हो या फिल्मी और खेल जगत की हस्तियां हों। सभी की लोकप्रियता आम लोगों पर गहरा प्रभाव डालती हैं। आम जनता उनका अनुसरण करती है। ऐसे में उनकी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी कई गुना अधिक बढ़ जाती है। जैसे-जैसे उनकी लोकप्रियता बढ़ती है। उसी के साथ उनकी जिम्मेदारी भी बढ़ती चली जाती है। आज के दौर में मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से नेताओं और सेलिब्रिटीज़ का प्रभाव करोड़ों लोगों तक स्थाई रूप से पहुंचता है। यह लंबे समय तक समाज में बना रहता है। सेलिब्रिटीज यदि किसी विचारधारा जाति धर्म संप्रदाय किसी उत्पाद, अनुचित आचरण का प्रचार करते हैं। उनका यह आचरण समाज को एकजुट करने का नहीं होता है। उनके आचरण में यदि वास्तविकता नहीं होती है। तो उसका असर समाज की सोच और जीवनशैली पर पड़ता है। उदाहरण के तौर पर, विज्ञापनों में तंबाकू, शराब या जंक फूड गेम्स जिनमें जुये की तरह पैसा लगाया जा रहा था। गेम्स के माध्यम से लोगों को मोबाइल के नशे से बांधा जा रहा है। इस तरह के उत्पाद सामाजिक उन्मुक्तता, नैतिकता के स्थान पर अनैतिक तरीके से पैसे कमाने को बढ़ावा देना, समाज को गलत दिशा में ले जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में हजारों लोगों ने आत्महत्या कर ली। शेयर बाजार और गेम्स में फंसकर परिवार सहित आत्महत्या करने लगे। इसी तरह राजनीतिक और धार्मिक नेताओं के गैर-जिम्मेदाराना बयान समाज में विभाजन और तनाव को जन्म दे रहे हैं। जिसके कारण सामाजिक अशांति तेजी के साथ बढ़ रही है। धार्मिक और जाति आधार पर जो वेमनष्यता बढ़ रही है। अब उसका असर घर-घर तक पहुंचने लगा है। पति-पत्नी, मां-बेटे, भाई-बहन एवं सामाजिक स्तर पर जिस तरह की हिंसक प्रवत्ति दिख रही है। वह बहुत बड़ी चिंता का कारण बन रहा है। राजनीतिक सामाजिक एवं किसी भी तरह के नेतृत्व की सबसे बड़ी कसौटी यही है। व्यक्ति अपने व्यक्तिगत लाभ के साथ-साथ परिवार एवं समाज के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता मे रखे। नेतृत्वशीलता केवल अपने हित साधन में रहेगी, तो उनकी विश्वसनीयता और नैतिक बल दोनों ही कमजोर हो जाते हैं। कुछ समय के लिए जरूर फायदा हो जाता है। जब स्थितियां सामने आती हैं, तब उन्हें दीर्घकालीन नुकसान ही होता है। आम जनता जिनके ऊपर अघाध विश्वास करती थी, फिर वह कभी उन पर विश्वास नहीं कर पाती है।

ईमानदारी, संयम और दूरदृष्टि के साथ नैतिकता के साथ सेलेब्रिटी अपना दायित्व पूरा करते हैं। वह न केवल समाज बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए आदर्श स्थापित कर, परिवार एवं समाज के बीच यश के साथ बने रहते हैं। भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में यह और भी जरूरी है। जनता का मार्गदर्शन करने वाले लोग अपनी जिम्मेदारियों को समझें। उनकी हर गतिविधि से समाज सीखता है। अगर वे संतुलित, सच्चे और जनहितकारी फैसले लेंगे, तो निश्चित रूप से समाज और राष्ट्र को मजबूती मिलेगी। आध्यात्मिक क्षेत्र में कहा जाता है नेतृत्व करने वाले को इसका 25 फ़ीसदी पुण्य मिलता है, यदि गलत दिशा में ले जाता है, तो 25 फ़ीसदी पाप कर्म का बंध बनता है। भगवान राम के अनुष्ठान में पुरोहित के रूप में रावण ने यज्ञ पूरा कराया था।

उस समय राम और रावण के मन में एक पल के लिए भी यह भाव नहीं आया। वह अपने कर्तव्यों से हट जाएं। इसलिए आवश्यक है, नेतृत्व करने वाले लोग अपने प्रभाव और लोकप्रियता की शक्ति को पहचानें। उसका सही दिशा में उपयोग करें। कुल, परिवार, सामाजिक,नैतिक एवं आध्यात्मिक जवाबदेही का पालन करते हुए सच्चा नेतृत्व करें। जनता का विश्वास और सम्मान वही नेता लंबे समय तक पा सकता है। जो स्वयं को मानव समाज के साथ-साथ प्रकृति के प्रति जिम्मेदार मानकर अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करता है। हजारों लाखों वर्षों का इतिहास गवाह है।

यहां कबीर जैसे संतो की पहचान कई पीढियों तक पीढ़ी दर पीढ़ी देखने को मिलती है। आज हमारे पास कबीर नहीं है। लेकिन कबीर पर सारी दुनिया में हजारों पीएचडी हुई हैं। भारत में ही ऐसे हजारों सेलिब्रिटीज पूर्व में रह चुके हैं जो जिंदा रहते हुए। उतने लोकप्रिय नहीं हुए थे, जो मरने के बाद हुए। अब उनकी गाथाएं एक पीढ़ी से आने वाली पीढ़ी तक पहुंच रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब मंगलवार को होगी निफ्टी की वीकली एक्सपायरी, सेंसेक्स रहेगा गुरुवार को

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में 25 साल बाद एक ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने निफ्टी की वीकली एक्सपायरी का दिन गुरुवार से बदलकर मंगलवार कर दिया है। यह बदलाव 28 अगस्त 2025 से लागू हो गया है। अब पहली मंगलवार एक्सपायरी 2 सितंबर 2025 को होगी। वहीं बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने सेंसेक्स की एक्सपायरी गुरुवार को ही बनाए रखने का फैसला किया है। डेरिवेटिव्स मार्केट में यह बदलाव बड़े असर वाला है। अब निफ्टी ऑप्शंस की एक्सपायरी सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को होगी, जिससे ट्रेडर्स को नई रणनीतियां बनानी होंगी। वहीं, सेंसेक्स की एक्सपायरी गुरुवार को होने से दोनों प्रमुख इंडेक्स की एक्सपायरी अलग-अलग दिनों पर होगी। गौरतलब है कि निफ्टी फ्यूचर्स की शुरुआत 12 जून 2000 को हुई थी और तब से मंथली एक्सपायरी हर महीने के आखिरी गुरुवार को होती थी। दिसंबर 2019 में वीकली एक्सपायरी शुरू हुई थी, जिसे गुरुवार को रखा गया था। एनएसई और बीएसई के बीच एक्सपायरी डे को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ गई थी। एनएसई ने पहले निफ्टी की एक्सपायरी सोमवार को करने की योजना बनाई थी, लेकिन सेबी के हस्तक्षेप के बाद इसे मंगलवार किया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग में नई रणनीतियां, वोलैटिलिटी और ट्रेडिंग पैटर्न उभर सकते हैं। अब ट्रेडर्स को एक्सपायरी के हिसाब से सप्ताह में दो बार प्रमुख मूवमेंट्स का सामना करना पड़ेगा, मंगलवार को निफ्टी और गुरुवार को सेंसेक्स।

यांगवांग यू 9 के ट्रैक-फोकस्ड वर्जन कार से नया विश्व रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली । बीवायडी कंपनी ने अपनी हाइपरकार यांगवांग यू 9 के ट्रैक-फोकस्ड वर्जन से नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। जर्मनी के ऑटोमोटिव टेस्टिंग पापेनबर्ग ट्रैक पर इस कार ने 472.41 किमी/घंटा की टॉप स्पीड हासिल की, जो रीमैक नेवेरा आर के पिछले 431.45 किमी/घंटा के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ती है। इसके साथ ही यांगवांग यू 9 दुनिया की सबसे तेज इलेक्ट्रिक कार बन गई है। पिछले साल इसका स्टैंडर्ड वर्जन 391.94 किमी/घंटा की रफ्तार तक पहुंचा था, लेकिन नया ट्रैक मॉडल लगभग 80 किमी/घंटा तेज साबित हुआ। जर्मन रेसिंग ड्राइवर मार्क बैसेंग ने इस कार को चलाया। इसमें चार इलेक्ट्रिक मोटर्स लगी हैं, जिनमें से हर एक 555 किलोवाट (755 पीएस) पावर देती है। संयुक्त रूप से यह कार 3,000 पीएस से ज्यादा ताकत पैदा करती है और इसका पावर-टू-वेट अनुपात 1,200 पीएस प्रति टन है। कार में डीसस-एक्स इंटेलिजेंट बॉडी कंट्रोल सिस्टम, एडवांस्ड टॉर्क वेक्टरिंग और विशेष थर्मल मैनेजमेंट जैसी तकनीकें दी गई हैं। साथ ही यह बड़े पैमाने पर उत्पादित 1200वी अल्ट्रा-हाई-वोल्टेज प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने वाली दुनिया की पहली ईवी है।

यात्री वाहनों की बिक्री चालू वित्त वर्ष में एक से चार फीसदी बढ़ने का अनुमान

मुंबई । घरेलू यात्री वाहन उद्योग में चालू वित्त वर्ष 2025-26 में थोक बिक्री में एक से चार प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने शुक्रवार को कहा कि मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) द्वारा स्थिर पेशकश और जीएसटी दर में संभावित कटौती से चुनिंदा क्षेत्रों में मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। केंद्र ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह (जीओएम) के समक्ष पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय जीएसटी संरचना के साथ-साथ कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर का प्रस्ताव रखा है। देश की प्रमुख मोटर वाहन कंपनियां सोमवार (एक सितंबर) को अगस्त महीने की बिक्री के आंकड़े जारी करेंगी। इक्रा ने कहा कि जुलाई में थोक बिक्री में क्रमिक आधार पर 8.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई क्योंकि ओईएम ने त्योहारों के मद्देनजर पहली की खेप तैयार कर ली। हालांकि बिक्री की मात्रा सालाना आधार पर 3.4 लाख इकाइयों पर स्थिर रही। खुदरा बिक्री में भी क्रमिक आधार पर 10.4 प्रतिशत का सुधार हुआ, लेकिन यह सालाना आधार पर 0.8 प्रतिशत कम रही। इसमें कहा गया कि एसयूवी का दबदबा बना हुआ है, जो कुल यात्री वाहन (पीवी) की बिक्री में 65-66 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। साथ ही निकट भविष्य में यूटिलिटी वाहनों के वृद्धि का प्रमुख चालक बने रहने की उम्मीद है।

भारत के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करना चाहता है कतर- गोयल

नई दिल्ली, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा और कतर भी भारत के साथ ऐसे समझौते पर बातचीत करने को इच्छुक है। उन्होंने निर्यातकों को व्यापार के मोर्चे पर किसी देश की एकतरफा कार्रवाई के कारण उत्पन्न मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं से निपटने के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। गोयल ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से घरेलू खपत को बढ़ावा मिलेगा।केंद्र ने जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह (जीओएम) के समक्ष पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय जीएसटी संरचना के साथ-साथ कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर का प्रस्ताव रखा है। मंत्री ने हाल ही में आयो जित कार्यक्रम में कहा कि इस साल हमारा निर्यात पिछले साल से अधिक रहेगा। उन्होंने कहा कि ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा और कतर भी एक व्यापार समझौता करना चाहता है। सऊदी अरब भी इच्छुक है। गोयल ने साथ ही बताया कि यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है।

इंडियन बेवरेज का सरकार से सॉफ्ट ड्रिंक पर जीएसटी घटाने का आग्रह

नई दिल्ली । कोका-कोला, पेप्सिको जैसी कंपनियों के निकाय इंडियन बेवरेज एसोसिएशन ने सरकार से कोल्ड ड्रिंक और अन्य पेय पदार्थों पर जीएसटी घटाकर 18 प्रतिशत करने का अनुरोध किया है। वर्तमान में इन पेय पदार्थों पर 28 प्रतिशत जीएसटी और अहितकर वस्तुओं के मामले में लगने वाले 12 प्रतिशत अतिरिक्त कर लगता है। जीएसटी में व्यापक सुधारों के तहत सरकार ने जीएसटी को दो स्लैब (पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत) में बदलने का प्रस्ताव किया है। इसके अलावा, महंगी कारों और अहितकर वस्तुओं जैसी चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। वर्तमान में, जीएसटी के चार स्लैब 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत हैं। इंडियन बेवरेज एसोसिएशन (आईबीए) ने कहा कि इस क्षेत्र के लिए जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने से उत्पाद अधिक किफायती होंगे, इस क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और 2030 तक सालाना 1.2 लाख नई नौकरियां भी सृजित होंगी। आईबीए ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के लिए सरकार की सराहना करते हुए कहा कि पुनर्वर्गीकरण, जीएसटी युक्तिसंगत बनाने और इस श्रेणी को एक मानक जीएसटी दर में रखने से इस क्षेत्र की वास्तविक क्षमता का पता चलेगा, जिससे निवेश, रोजगार, किसानों को समर्थन और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा। कोका-कोला, पेप्सिको, रिलायंस, बिसलेरी, डाबर और रेड बुल जैसी प्रमुख कंपनियां आईबीए के सदस्य हैं। आईबीए ने कहा कि जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने से 2030 तक सालाना 1.2 लाख नए रोजगार पैदा हो सकते हैं, जिससे ग्रामीण आजीविका को और बढ़ावा मिलेगा। हाल के वर्षों में, इस क्षेत्र ने 50,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है और 85,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश की योजना बना रहा है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे आज ज्यादातर सूचकांकों में गिरावट रही। लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 320.10 अंक नीचे आकर 55,727.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 67.35 अंक टूटकर 17,227.00 पर बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 270.92 अंक टूटकर 78,809.65 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 74.05 अंक नीचे आकर 24,426.85 पर बंद हुआ।

आज बाजार के ज्यादातर इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए। वाहन, आईटी, रियल्टी और ऑयल एंड गैस इंडेक्स में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गयी। वहीं दूसरी ओर एफएमसीजी, मीडिया, डिफेंस और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। सेंसेक्स पैक में आईटीसी, बीईएल, ट्रेंट, एलएंडटी, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, सनफार्मा, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल और पावर ग्रिड सबसे अधिक लाभ में थे। वहीं एमएंडएम, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी टैरिफ के कारण निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इससे भी बाजार पर दबाव आया।। आज इक्विटी बेंचमार्क का प्रदर्शन कमजोर रहा, वही एफएमसीजी क्षेत्र के शेयरों में तेजी रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन जल्दी ही बाजार में तेजी लौट आई। सेंसेक्स 70 अंकों की गिरावट के साथ 80,010 पर खुला पर जल्द ही यह 197 अंकों की बढ़त के साथ 80,277.90 पर पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी 50 ने 24,466 से शुरुआत की और बढ़कर 24,530 पर कारोबार करने लगा। वैश्विक बाजारों की बात करें तो हांगकांग और चीन के बाजारों में तेजी रही, जबकि जापान और दक्षिण कोरिया के बाजारों में हल्की कमजोरी दर्ज की गई। अमेरिका में एसएंडपी 500 और नेस्डेक रिकॉर्ड स्तरों पर बंद हुए। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। मेनलैंड चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.12 फीसदी, हांगकांग का हैंगसेंग 0.39 फीसदी बढ़ा। हालांकि, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.04 फीसदीनीचे रहा। टोक्यो कोर कंज्यूमर वैल्यू इंडेक्स (सीपीआई) में एक साल पहले की तुलना में 2.5 फीसदी की वृद्धि के बाद जापान का निक्केई भी 0.39 फीसदीगिर गया। देश की बेरोजगारी दर भी जुलाई में घटकर 2.3 फीसदी रह गई, जो पिछले महीने 2.5 फीसदी थी।वॉल स्ट्रीट इंडेक्स एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स रिकॉर्ड हाई एंड पर बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स और टेक्नॉलिजी फोकस नैस्डैक क्रमशः 0.32 फीसदी और 0.53 फीसदी बढ़कर बंद हुए।

महिंद्रा ने अपना एनयू-आईक्यू मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पेश किया

नई दिल्ली ।

हाल ही में महिंद्रा ने अपना एनयू-आईक्यू मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पेश किया है। नई एसयूवीएस को फ्लेक्स फ्यूल इंजन के साथ तैयार किया जाएगा। शुरुआती दौर में इन्हें खासतौर पर ई 30 फ्यूल के हिसाब से ट्यून किया जाएगा। इथेनॉल के इस्तेमाल के लिए इंजनों में खास बदलाव जरूरी होते हैं। इसके लिए गाड़ियों में इथेनॉल सेंसर्स लगाए जाते हैं, जो फ्यूल ब्लेंड की मात्रा मापते हैं।

ठंडे मौसम में इंजन आसानी से स्टार्ट हो सके, इसके लिए फ्यूल रेल और इंजेक्टर हीटर्स का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही इंजन के पार्ट्स को ऐसे मटेरियल से बनाया जाता है, जो इथेनॉल के असर को झेल सके। महिंद्रा के अलावा अन्य कंपनियां भी इस टेक्नोलॉजी पर काम कर रही हैं। मारुति सुजुकी वैगनआर का फ्लेक्स फ्यूल प्रोटोटाइप ला चुकी है, टाटा पंच का ई 85-रेडी मॉडल ला रही है, हुंडई क्रेटा फ्लेक्स फ्यूल इंजन पर काम कर रही है और टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस को ई 20-रेडी बना रही है।

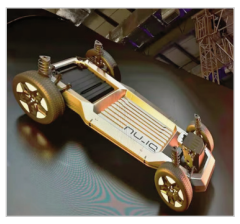

फ्लेक्स फ्यूल इंजन ग्राहकों और सरकार दोनों के लिए फायदेमंद रहेंगे। उपभोक्ताओं को सस्ता ईंधन मिलेगा, वहीं देश की पेट्रोल पर निर्भरता घटेगी और प्रदूषण में कमी आएगी। बता दें कि भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर अब वैकल्पिक ईंधन की ओर बढ़ रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक देशभर में ई 30 फ्यूल यानी 30 प्रतिशत इथेनॉल और 70प्रतिशतपेट्रोल का मिश्रण लागू किया जाए। इसी दिशा में महिंद्रा ने अपनी आने वाली एसयूवी में फ्लेक्स फ्यूल इंजन लाने की घोषणा की है। फ्लेक्स फ्यूल इंजन ऐसे पेट्रोल इंजन होते हैं जो पेट्रोल के अलावा इथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल जैसे ई 20 और ई 30 पर भी आसानी से चल सकते हैं।

सोने की कीमतों में तेजी, चांदी में गिरावट

मुंबई । सोने की कीमतों में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 1,02,136 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही है। चांदी की बात करें तो इसमें 0.09 फीसदी की गिरावट आई है, ये 1,17,068 रुपए प्रति किग्रा पर है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने की कीमत 300 रुपए बढ़कर 1,01,570 रुपए प्रति 10 ग्राम रही। कारोबारियों ने कहा कि इसके अलावा, कमजोर डॉलर, फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कमी की उम्मीद और शुल्क घटनाक्रमों ने कीमतों में उतार-चढ़ाव को बढ़ावा दिया है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,01,270 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। स्थानीय बाजार में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना गुरुवार को 200 रुपए बढ़कर 1,01,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। बुधवार को यह 1,00,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। गुरुवार को चांदी की कीमत अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर 1,20,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित रहीं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की एजीएम में जियो आईपीओ पर हो सकता है बड़ा ऐलान

- रिलायंस इंडस्ट्रीज की 48वीं वार्षिक आम बैठक शुक्रवार दोपहर 2 बजे

मुंबई ।

देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) शुक्रवार को अपनी 48वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित कर रही है। दोपहर 2 बजे होने वाली इस वर्चुअल बैठक पर देश-विदेश के निवेशकों और विश्लेषकों की पैनी नजर बनी हुई है। इस बैठक में जियो और रिटेल बिजनेस के आईपीओ की संभावित घोषणा को लेकर उत्सुकता है। साथ ही ग्रीन एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उत्तराधिकार योजना पर भी अपडेट मिलने की संभावना है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार जियो अब परिपक्वता की स्थिति में है और उसकी स्थिर कैश फ्लो स्थिति आईपीओ के लिए उपयुक्त माहौल बना रही है। वहीं, रिलायंस की ग्रीन एनर्जी योजनाओं जैसे ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी निर्माण और इलेक्ट्रोलाइज़र प्रोजेक्ट्स को लेकर भी विस्तार से जानकारी दी जा सकती है। एजीएम में मुकेश अंबानी द्वारा जियो ब्रेन एआई प्लेटफॉर्म, रिटेल विस्तार और कंपनी की दीर्घकालिक रणनीति पर भी प्रकाश डाला जा सकता है। कंपनी पहले ही वित्त वर्ष 25 के लिए 5.50 प्रति शेयर का डिविडेंड घोषित कर चुकी है, जिसकी रिकॉर्ड डेट 14 अगस्त थी। रिलायंस के शेयर इस बैठक से पहले हल्की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। पिछले वर्षों की एजीएम में निवेशकों को ज्यादा बड़ी घोषणाएं नहीं मिली थीं, लेकिन इस बार बाजार में एक सकारात्मक सरप्राइज की उम्मीद जताई जा रही है। एजीएम में लिए गए निर्णयों का सीधा असर शेयर बाजार की चाल और निवेशकों की रणनीति पर पड़ेगा।

इस साल की पहली छमाही में टैबलेट बाजार 32 फीसदी गिरा

- सिर्फ 21.5 लाख टैबलेट बिक पाए

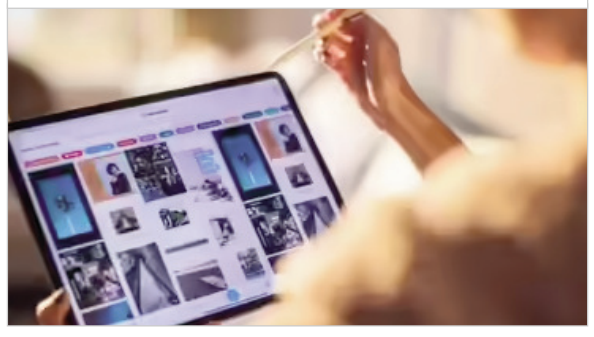

नई दिल्ली ।

साल 2025 की पहली छमाही में भारत के टैबलेट पीसी बाजार को बड़ी गिरावट का सामना करना पड़ा है। एक बाजार शोध फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में टैबलेट की बिक्री में 32.3 प्रतिशत की कमी आई और सिर्फ 21.5 लाख टैबलेट ही बिक पाए। रिपोर्ट के मुताबिक इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह सरकार द्वारा चलाई जा रही कुछ योजनाओं में कटौती रही है। पहले इन योजनाओं के तहत स्कूलों और सरकारी दफ्तरों के लिए बड़ी संख्या में टैबलेट खरीदे जाते थे, लेकिन अब इस मांग में भारी गिरावट देखी गई है।

हालांकि कुल बाजार गिरा लेकिन डिटैचेबल (कीबोर्ड से अलग होने वाले) टैबलेट की बिक्री में 18.9 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। इसके उलट, साधारण स्लेट टैबलेट की बिक्री में 44.4 प्रतिशत गिरावट आई, जिससे कुल बाजार प्रभावित हुआ। ब्रांड के लिहाज से सैमसंग ने 41.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बाज़ार में अपनी पहली पोजिशन बनाए रखी। कंपनी की सफलता के पीछे सरकारी स्कूलों के प्रोजेक्ट और ऑनलाइन बिक्री अभियानों का बड़ा योगदान रहा।

लेनोवो 12.3 फीसदी और एप्पल 11.8 फीसदी हिस्सेदारी के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। रिपोर्ट के अनुसार सैमसंग ने वाणिज्यिक और घरेलू दोनों क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे दूसरी तिमाही में उसकी हिस्सेदारी 40.8 प्रतिशत रही।

इस रिपोर्ट से स्पष्ट है कि सरकारी नीतियों में बदलाव का टेक्नोलॉजी बाजार पर गहरा असर पड़ता है।

अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी का भारतीय शेयर बाजार पर असर

निवेशकों को घरेलू सेक्टर पर फोकस करने की सलाह

नई दिल्ली ।

अमेरिका ने 27 अगस्त से भारत से आयातित कई उत्पादों पर 50 फीसदी तक टैरिफ बढ़ा दिया है। यह एशिया में सबसे अधिक है और इससे खासकर टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग गुड्स, जेम्स-एंड-ज्वेलरी, श्रिम्प और कारपेट इंडस्ट्री प्रभावित होंगी। इससे भारतीय निर्यात आधारित कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई है। अगस्त की शुरुआत में 25 फीसदी टैरिफ लागू होने के बाद से एफएमसीजी, रियल एस्टेट, प्राइवेट व पब्लिक सेक्टर बैंक जैसे घरेलू सेक्टर भी कमजोर प्रदर्शन कर रहे हैं। निवेशक वित्त वर्ष 26 के कमजोर नतीजों और टैरिफ के बढ़ने से वेट एंड वॉच की नीति अपना रहे हैं। बाजार के जानकारों के अनुसार, ऑटो, एफएमसीजी और सीमेंट जैसे सुरक्षित सेक्टर भी बिकवाली का सामना कर रहे हैं। सौविलो इन्वेस्टमेंट के संदीप अग्रवाल कहते हैं कि विदेशी निवेशक लगातार पैसा निकाल रहे हैं, इसलिए फिलहाल घरेलू कंपनियों में भी सावधानी से निवेश करें। विश्लेषक सलाह देते हैं कि निवेशक घरेलू अर्थव्यवस्था से जुड़े सेक्टरों पर ध्यान दें, खासकर हॉस्पिटल्स और नई टेक कंपनियों में निवेश बेहतर रहेगा। फेस्टिव सीजन और जीएसटी 2.0 से घरेलू मांग बढ़ सकती है, जो बाजार को समर्थन देगा। टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर सबसे ज्यादा असर होगा क्योंकि यह अमेरिकी बाजार पर निर्भर है। हालांकि आईटी फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक्स पर टैरिफ का असर सीमित रहेगा। निवेशकों को इस समय निर्यात सेक्टर में निवेश करने में सावधानी बरतनी चाहिए। टैरिफ बढ़ोतरी और कमजोर आर्थिक संकेतों के बीच निवेशकों को जल्दबाजी करने की बजाय धैर्य से बेहतर अवसर का इंतजार करना चाहिए और घरेलू मांग पर आधारित सेक्टरों में निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए।

उर्जित पटेल बने आईएमएफ में कार्यकारी निदेशक

भारत को वैश्विक मंच पर मिलेगी नई मजबूती

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है और वे यह पद तीन वर्षों तक संभालेंगे। वे के.वी. सुब्रमण्यम का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल अप्रैल 2025 में पूरा होना था लेकिन समय से पहले समाप्त हो गया। उर्जित पटेल ने सितंबर 2016 में रघुराम राजन के बाद आरबीआई के 24वें गवर्नर का पद संभाला था। दिसंबर 2018 में उन्होंने निजी कारणों से इस्तीफा दे दिया। उनके कार्यकाल के दौरान मुद्रास्फीति नियंत्रण के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) को 4 फीसदी के लक्ष्य पर केंद्रित करने की नीति बनाई गई, जिसे आज भी भारत में अपनाया जाता है। इसके अलावा, 2016 की नोटबंदी के दौरान भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई।

उर्जित पटेल का जन्म केन्या में हुआ था। उन्होंने येल यूनिवर्सिटी से पीएचडी, ऑक्सफोर्ड से एमे फिल और लंदन यूनिवर्सिटी से बीएससी की पढ़ाई की। उन्होंने आईएमएफ में 1990 में करियर की शुरुआत की और भारत, अमेरिका, म्यांमार सहित कई देशों के लिए कार्य किया। निजी क्षेत्र में भी वे रिलायंस इंडस्ट्रीज आईडीएफसी और अन्य कंपनियों से जुड़े रहे। आईएमए में कार्यकारी निदेशक नीति निर्धारण और संस्थान के रोजमर्रा के फैसलों में भाग लेते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हॉकी एशिया कप: चीन को हराकर भारत की एशिया कप में धमाकेदार शुरुआत, हरमनप्रीत की हैट्रिक

राजगीर (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन पुरुष हॉकी टीम के एशिया कप के पहले मैच में कमजोर चीन के खिलाफ प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं है लेकिन उन्हें इस बात की खुशी है कि टीम ने अपना अभियान जीत के साथ शुरू किया। विश्व रैंकिंग में सातवें पायदान पर काबिज भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में 23वें नंबर के चीन के खिलाफ 4-3 की संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की।

फुल्टन ने मैच के बाद मीडिया से बातचीत में कहा, 'हमारे लिए मैच का पहला हाफ अच्छा था, हम अच्छी स्थिति में थे और फिर कुछ गलतियां कीं। हमारे पास सुधार करने का मौका था। यह अच्छा रहा कि दूसरे हाफ में हमें कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले और हमने उन्हें गोल में बदला। पेनल्टी स्ट्रोक चूकना दुर्भाग्यपूर्ण था।'

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने तीन पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदले लेकिन दूसरे हाफ में एक पेनल्टी स्ट्रोक पर चूक गए। फल्टन ने कहा, 'हम खेल जीतने के लिए तो अच्छा खेले, लेकिन अपनी उम्मीदों के हिसाब से नहीं खेले। यह टूर्नामेंट का पहला मैच था। हमने कुछ मौके गंवाए और कुछ गोल भी खाये लेकिन यह देखना अच्छा था कि टीम ने पूरा जोर लगाया।' फुल्टन ने कहा कि मैच में जीत दर्ज करने के बावजूद उनकी टीम को कई क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'हमारे लिए महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमें तीन अंक मिले।'

उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम को कम आंकना गलती होगी और शुक्रवार को ऐसा ही दिखा। भारतीय कोच ने कहा, 'मुझे किसी भी टीम से संघर्ष की उम्मीद है। हम टूर्नामेंट में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम हैं और यहां प्रबल दावेदार हैं, इसलिए हर टीम हमसे खेलने के लिए खुद को तैयार करेगी और हमें उस चुनौती का सामना करना होगा।' उन्होंने कहा, 'मैंने कई मैच देखे हैं जहां आप अच्छा नहीं खेलते, लेकिन जीत जाते हैं और जीत हासिल करना ही सबसे जरूरी है।'

हरमनप्रीत ने कहा कि चीन के खिलाफ मैच से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, 'यह एक कठिन मैच था, लेकिन जीतना जरूरी था। आखिरी सीटी तक हम संघर्ष करते रहे। यह हमारे लिए एक अच्छा सबक है।' भारतीय कप्तान ने कहा कि टीम

की रक्षा पंक्ति को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'ज्यादातर टीमें जवाबी हमला करने का इंतजार करती है। यह हमारे लिए एक अच्छा सबक है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी रक्षापंक्ति मजबूत रहे।'

एशियाई निशानेबाजी: मानिनी को 50 मीटर राइफल प्रोन में कांस्य, महिला टीम ने जीता रजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिमकेंट = युवा भारतीय निशानेबाज मानिनी कौशिक ने शुक्रवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल करने के साथ ही टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने में भी अहम भूमिका निभाई। मानिनी का व्यक्तिगत स्पर्धा में यह पहला अंतरराष्ट्रीय पदक है।

जयपुर की 24 साल की इस निशानेबाज ने 617.8 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया की हाना इम (620.2) और यूनसेओ ली (620.2) ने क्रमशः स्वर्ण ओर रजत पदक जीते। मानिनी ने प्रतियोगिता में पांचवां स्थान हासिल किया था, लेकिन उनसे आगे रहने वाले दो निशानेबाज दक्षिण कोरिया की येलीन चोई (620.1) और भारत की सिफ्त कौर सामरा (617.9) सिर्फ रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। आरपीओ निशानेबाज केवल अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग अंक के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। मानिनी ने 10-10 शॉट के छह सीरीज में 104.0, 103.8, 101.2, 103.3, 103.2 और 102.3 का स्कोर किया। उन्होंने 50 मीटर राइफल प्रोन(गैर-ओलंपिक स्पर्धा) में टीम को रजत पदक दिलाने में भी मदद की। मानिनी (617.8), सुरभि भारद्वाज (614.4) और विनोद विदर्सा (613.8) की तिकड़ी ने कुल 1846 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। दक्षिण कोरिया (1856.8 अंक) ने स्वर्ण पदक जीता जबकि कजाकिस्तान 1828.2 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

भारत की प्राची गायकवाड़ ने 616.6 के स्कोर के साथ जूनियर महिला 50 मीटर राइफल प्रोन में रजत पदक जीता। स्वर्ण पदक दक्षिण कोरिया की सेही ओह (618.6) ने जीता, जबकि कांस्य कजाकिस्तान की सोफिया मलकिना (616.3) को मिला। प्राची (616.6), अनुष्का ठेकुर (607.6) और तेजल नथावत (599.2) की तिकड़ी ने कुल 1823.4 के साथ टीम कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया (1844 अंक) के साथ ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान (1830.1) ने रजत पदक अपने नाम किया।

एशिया कप के लिए बीसीसीआई का बड़ा फैसला, पांच खिलाड़ी नहीं जाएंगे दुबई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने फैसला किया है कि एशिया कप 2025 के लिए 5 स्टैंडबाय खिलाड़ियों यशस्वी जायसवाल, प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग और ध्रुव जुरेल मुख्य टीम के साथ दुबई नहीं जाएंगे।

सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम अपने एशिया कप अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को ग्रुप ए में श्र के खिलाफ करेगी। इसके बाद 14 और 19 सितंबर को क्रमशः पाकिस्तान और ओमान के खिलाफ मैच होंगे। BCCI ने इस महीने की शुरुआत में 15 सदस्यीय एक मजबूत टीम की घोषणा की थी जिसमें शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाना गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार जायसवाल, प्रसिद्ध, सुंदर, पराग और जुरेल 9 सितंबर से शुरू होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए मुख्य टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगे। पीटीआई ने BCCO के एक सूत्र के हवाले से कहा, 'नहीं, स्टैंडबाय खिलाड़ी मुख्य टीम के साथ दुबई नहीं जाएंगे।' आमतौर पर तय की गई परंपरा से हटकर खिलाड़ी अपने-अपने स्थानों से अलग-अलग समय पर दुबई पहुंचेंगे, जबकि अन्य मौकों पर टीम रवाना होने से पहले मुंबई में इकट्ठा होती थी। यह निर्णय खिलाड़ियों की यात्रा की सुविधा और व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। एक वरिष्ठ बीसीसीआई अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया, 'सभी खिलाड़ी 4 सितंबर की शाम तक दुबई पहुंच जाएंगे और पहला नेट्स सत्र 5 सितंबर को ICC अकादमी में होगा। व्यवस्थाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को अपने-अपने शहरों से दुबई आने की अनुमति दी जाएगी।' उन्होंने आगे कहा, 'जाहिर है कि कुछ लोग मुंबई से यात्रा करेंगे, लेकिन कुछ अन्य लोगों से पहले मुंबई आने और फिर दुबई जाने के लिए कहना बेतुका है। वैसे भी दुबई की उड़ान अन्य अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की तुलना में कम समय की है।'

एशिया कप के लिए भारतीय स्क्वॉड

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, कुलदीप यादव और हर्षित राणा

बिन्नी ने बीसीसीआई अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया, राजीव शुक्ला बने कार्यवाहक अध्यक्ष

मुम्बई (एजेंसी)। राजीव शुक्ला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कार्यवाहक अध्यक्ष बने हैं। इससे पहले रोजर बिन्नी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। अब नए अध्यक्ष का चुनाव होने तक शुक्ला ही बीसीसीआई के प्रमुख रहेंगे। वह पिछले काफी समय से उपाध्यक्ष पद संभाल रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को बीसीसीआई की एपेक्स कमिटी की शीर्ष परिषद की बैठक की अध्यक्षता भी शुक्ला ने ही की थी। इस बैठक में प्रायोजक का मामला भी उठा। इसके तहत ड्रीम11 के हटने के बाद नये प्रायोजक की तलाश को लेकर भी बाह हुई।

वहीं रिपोर्ट के अुनसार एशिया कप से पहले प्रायोजक मिलना संभव नही है क्योंकि उसमें अब दो सप्ताह का समय ही है। इससे पहले नई निविदा निकालना, कानूनी प्रक्रिया का पालन करना और बाकी तकनीकी चीजों को पूरा करना संभव नहीं है। केवल एशिया कप के लिए अलग प्रायोजक लाने की संभावना को भी बोर्ड ने खारिज कर दिया।। बोर्ड का लक्ष्य 2027 के एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए प्रायोजक लाने का है। राष्ट्रीय खेल प्रशासन कानून बन जाने के बाद भी बीसीसीआई को अगले महीने अपनी सालाना आम बैठक करने के साथ ही चुनाव भी कराने की आजादी है।

बीसीसीआई चुनाव में देर नहीं करना चाहेगी। इसका कारण है कि सरकार ने जो खेल कानून बनाया है, अभी उसकी अधिसूचना जारी नहीं की गई है। उसे अधिसूचित होने में कुछ महीने लग सकते हैं इसी को देखते हुए बीसीसीआई चुनाव नहीं टालेगी ताकि तय समय से पहले नया अध्यक्ष कामकाज संभाल ले। अभी बीसीसीआई का प्रशासन लोढ़ा समिति की सिफारिशों पर आए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बने संविधान के हिसाब से चलता है। ऐसे जब तक संसद से पारित नए खेल कानून की अधिसूचना जारी नहीं हो जाती, तब तक बीसीसीआई और राज्य क्रिकेट संघों को

उसी संविधान से काम करना होगा। वर्तमान कानून के तहत 70 साल की उम्र में बोर्ड में किसी पद पर नहीं रहा जा सकता। इसी कारण बिन्नी को इस्तीफा देना पड़ा था।

पाक टीम एशिया कप के फाइनल में नहीं पहुंचेगी : कनेरिया

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने कहा है कि पाक टीम अगले माह 9 सितंबर से शुरु हो रहे एशिया कप के फाइनल में नहीं नहीं पहुंचेगी। यूएई में स्पिनरों की सहायक पिचों पर होने जा रहे एशिया कप में कुल 8 टीमें खेलेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के दो समूहों में बांटा गया है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले कई दिग्गज क्रिकेटरों ने इसको लेकर अपनी भविष्यवाणी की है। वहीं इसी कड़ी में पाक के पूर्व स्पिनर कनेरिया ने कहा है कि उनकी टीम पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम फाइनल में पहुंचेगी जहां उसका मुकाबला अफगान टीम से होगा। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में शामिल हैं। ऐसे में संभावना जतायी जा रही है कि इस ग्रुप से यही दोनों टीमें सुपर 4 में जाएंगी। ग्रुप स्टेज में भारत बनाम पाकिस्तान मैच 14 सितंबर को है। वहीं अगर दोनों सुपर-4 में पहुंची तो दूसरा मैच इन दोनों टीमों के बीच 21 सितंबर को होगा। वहीं कनेरिया को नहीं लगता कि इस बार पाक सुपर 4 तक पहुंचेगी।

रोहित और विराट को गेंदबाजी करना सबसे कठिन रहा : वुड

लंदन। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज मार्क वुड ने कहा है कि अपने करियर के दौरान उनके लिए भारतीय टीम के रोहित शर्मा और विराट कोहली के अलावा ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और मिशेल मार्श को गेंदबाजी करना सबसे मुश्किल रहा है। वुड ने रोहित की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें लगता था कि वह शॉर्ट गेंदों के साथ रोहित के खिलाफ सफल हो सकते हैं पर ऐसा नहीं हुआ और रोहित ने उन गेंदों पर कई लंबे छक्के लगा दिये थे। वुड ने कहा, अपने करियर के अलग-अलग अवसरों पर मैंने रोहित की क्षमता देखी है। शार्ट गेंद के सामने आपको लगता है कि उन्हें आउट करने का अवसर है पर अगर वो उस दिन लय में हो तो वह आक्रामक बल्लेबाजी करते है। इसलिए उन्हें आउट करना कठिन था। मुझे हमेशा लगता था कि उनका बल्ला बड़ा होता जा रहा है। रोहित के साथ ही वुड ने विराट कोहली को भी सबसे कठिन बल्लेबाज बताया है। वुड ने कहा कि कोहली अपने करियर के शुरुआती दौर में ऑफ स्टंप के बाहर कमजोर रहे हैं पर मैं उससे लाभ नहीं उठा पाया। वुड ने साथ ही कहा, कोहली अविश्वसनीय प्रतिस्पर्धी रहे, ऐसा खिलाड़ी जिसके बारे में मुझे लगता था कि चौथे और पांचवे स्टंप पर उसकी कमजोरी है। लेकिन जब भी मैंने उसे वहां गेंदे फेंकी, तो वह एक भी गेंद छोड़ते नहीं दिखे।

धवन ने खेल दिवस पर दिया विशेष संदेश

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भेजी इसमें धवन ने लिखा जितना अधिक खेलोगे, उतना अधिक सीखोगे, उतना अधिक जीतोगे। पूर्व सलामी बल्लेबाज धवन ने इसके साथ ही क्रिकेट, फुटबॉल, पूल, घुड़सवारी और यहां तक कि पिकलबॉल खेलते हुए क अपनी तस्वीरें भी प्रशंसकों के साथ शेयर की हैं। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने प्रशंसकों को खेलों में अलग-अलग तरीकों से सक्रिय रहने के अपने जुनून से भी परिचित कराया। उनके खेलों को लेकर दिये संदेश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे खेल जीवन के विभिन्न सबक सिखाते हैं, इसमें बताया गया है कि प्रत्येक खेल और मैच व्यक्तिगत विकास और लचीलेपन में योगदान देता है। धवन की पोस्ट न केवल अपनी जीवंत तस्वीरों के लिए, बल्कि व्यापक संदेश के लिए भी प्रशंसकों के दिलों में छायी है। इसमें ये संदेश है कि खेल केवल स्टेडियमों तक सीमित नहीं हैं; ये अनुशासन, टीम वर्क और क्षमताओं को बताते हैं। गौरतलबह हैकि हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के सम्मान में 29 अगस्त को हर साल राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। ये खेलों की एकजुटता, प्रेरणा और उत्थान की शक्ति की याद दिलाता है। राष्ट्रीय खेल दिवस स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल उत्कृष्टता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के एक मंच के रूप में विकसित हुआ है। साल 2019 में फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत के साथ यह दिन एक व्यापक फिटनेस क्रांति में बदल गया है।

यह संदेश हर किसी तक स्पष्ट रूप से पहुंच जाना चाहिए, शुभमन गिल की कप्तानी पर बोले पठान

भुवनेश्वर (ओडिशा) (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क = रोहित शर्मा के संन्यास के बाद जब शुभमन गिल को भारत का नया टेस्ट कप्तान घोषित किया गया तो कुछ लोगों ने हैरानी जताई थी, खासकर यह देखते हुए कि इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान खराब फॉर्म के कारण उन्हें कुछ समय के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। हालांकि 25 वर्षीय इस खिलाड़ी ने खुद को एक योग्य कप्तान और भारतीय बल्लेबाजी क्रम का करिश्माई खिलाड़ी साबित किया जिससे टीम को एक ऐतिहासिक सीरीज में 2-2 से बराबरी पर लाया गया और खुद भी इस सीरीज में रिकॉर्ड तोड़ 754 रन बनाए।

गिल अभी तक टी20 और वनडे में कप्तान नहीं हैं। सूर्यकुमार यादव टी20 टीम की कमान संभालते हैं जबकि रोहित शर्मा 50 ओवरों के प्रारूप में कप्तान बने हुए हैं, हालांकि टीम में उनकी जगह को लेकर सवाल उठ रहे हैं, मुख्यतः इसलिए क्योंकि उन्होंने इस साल पर्याप्त क्रिकेट नहीं खेला

है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा है कि खिलाड़ियों को यह स्पष्ट होना चाहिए कि लंबे समय में टीम की कमान कौन संभालेगा, भले ही इस समय तीन अलग-अलग कप्तान हों। पठान ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह संदेश हर खिलाड़ी तक, मीडिया या प्रशंसकों से ज्यादा, जोरदार और स्पष्ट रूप से पहुंच जाना चाहिए कि इस ट्रेन का इंजन कौन है ताकि ट्रेन एक ही मंजिल तक पहुंचे, चाहे उसकी गति कितनी भी हो। शुभम गिल की कप्तानी समय के साथ बेहतर होती जाएगी, वह नेतृत्व की कला और सीखेंगे, लेकिन उन्होंने जो किया है वह शानदार है।' गिल को व्यापक रूप से तीनों प्रारूपों में कप्तानी संभालने के लिए तैयार माना जा रहा है। सूर्यकुमार दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाजों में से एक हैं, लेकिन वह 34 साल के हैं जबकि रोहित 38 साल के हैं। पठान को लगता है कि कप्तानी के मामले में भारत ने लंबे समय तक अपनी जगह बना ली है। पठान ने कहा, '(गिल) उनकी बल्लेबाजी क्षमता भी अच्छी है। वह एकदिवसीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और वहां उप-कप्तान हैं। अब टी20 क्रिकेट में जो वह पिछले एक साल से नियमित रूप से खेल रहे थे, वह भी शामिल हैं। चयन समिति ने उनसे चर्चा की थी कि जैसे ही आप टेस्ट क्रिकेट से मुक्त होंगे, आपको वापसी का मौका मिलेगा। मैं समझता हूं कि मीडिया में कई सवाल उठ रहे हैं, लेकिन भारतीय क्रिकेट एक योजना के अनुसार चलता है और हमेशा से ऐसा ही रहा है। चयन बोर्ड और प्रबंधन की जिम्मेदारी है और मुझे लगता है कि एक ही दिशा में आगे बढ़ना जरूरी है। ऐसा लग रहा है कि भारतीय क्रिकेट इस समय शुभमन गिल के साथ यही कर रहा है।'

एशिया कप में बुमराह सहित ये तीन खिलाड़ी निभाएंगे अहम भूमिका : सहवाग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि अगले माह होने वाले एशिया कप में अभिषेक शर्मा, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती एक्स फैक्टर होंगे। सहवाग के अनुसार भारतीय टीम यूएई में होने वाले इस टूर्नामेंट में जीत की प्रबल दावेदार है।

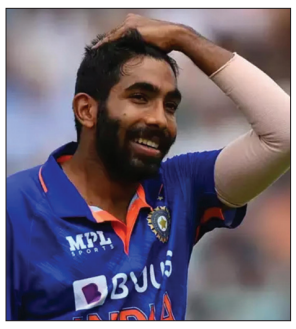

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। सहवाग ने कहा कि तेज गेंदबाज बुमराह के अलावा आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शुरुआत में ही विरोधी टीम पर दबाव बना देंगे। वहीं आईपीएल में मिस्ट्री स्पिनर के नाम से पहचान बनाने वाले वरुण चक्रवर्ती रही सही कसर पूरी कर देंगे। अभिषेक ने अब तक के सफर में भारतीय टीम की ओर से कई आक्रामक पारियां खेली हैं। वहीं वरुण ने चैंपियंस ट्रॉफी में स्पिन गेंदबाजी से विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया था। इससे भारतीय टीम ट्रॉफी जीती थी। सहवाग ने कहा, 'मुझे लगता है कि अभिषेक और बुमराह व वरुण मैच में बदलाव ला सकते हैं।' बुमराह ने पिछले साल के टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान 15 विकेट लिए थे। 70 टी20आई में, उनके पास 17.74 की औसत से 89 विकेट हैं। वहीं दूसरी ओर अभिषेक ने 17 मैचों में 193.84 की शानदार स्ट्राइक रेट से 535 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और दो अर्धशतक हैं। वहीं वरुण ने 15 टी20 में 33 विकेट लिए हैं। उनकी फिरकी का सामना करना बड़े-बड़े बल्लेबाजों के बस की बात नहीं होती।

आईपीएल में जो भी टीम खरीदेगी उससे खेलने के लिए तैयार हैं शमी

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि वह आईपीएल के अगले सत्र में किसी भी टीम से खेलने के लिए तैयार हैं। पिछले साल उन्हें सनराइजर्स ने मेगा नीलामी में 10 करोड़ रुपये में खरीदा था पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। शमी ने 9 मैच खेले और 56.16 की औसत से केवल 6 विकेट ही ले लिए थे। ऐसे में शमी को लगता है कि आईपीएल के इस सत्र में सनराइजर्स उन्हें शायद ही रिटेन करे। इसी को देखते हुए उनका कहना है कि वह किसी भी टीम से खेल सकते हैं। शमी ने कहा, मैं किसी भी टीम के लिए खेलने को तैयार हूं। जो भी मेरे लिए नीलामी में बोली लगायेगा। साथ ही कहा कि मेरे हाथ में कुछ नहीं है। यह आईपीएल है, क्रिकेट का उत्सव और प्रशंसकों के लिए मनोरंजन है। जो भी इसमें आपके लिए बोली लगाए, उसके साथ जाना होगा ।गौरतलब है कि शमी ने आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ 2023 सत्र में गुजरात टाइटन्स की ओर से किया था। इस सत्र में उन्होंने 17 मैचो में 18.64 की औसत से 28 विकेट लिए हैं। इसी सत्र में शमी ने पर्पल कैप भी हासिल की है। अपने पहले ही आईपीएल सत्र 2022 में, उन्होंने 24.40 की औसत से 20 विकेट लिए हैं।

हसरंगा के बिना ही जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो । श्रीलंका के गेंदबाजी ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा चोटिल होने के कारण अगले माह जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली दो एकदिवसीय और तीन मैचों की टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। हसरंगा का अब 9 सितंबर से यूएई में होने वाले एशिया कप में खेलना भी संदिग्ध है। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित कर दी गई है। हसरंगा को जुलाई में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। वह अभी भी पूरी तरह से चोट से नहीं उबर पाए हैं। गत माह जुलाई से ही हसरंगा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर नहीं खेल पाये हैं। वह एक अच्छे स्पिनर होने के साथ ही निचले क्रम के बेहतरीन बल्लेबाज हैं। ऐसे

में जिम्बाब्वे दौरे पर टीम के लिए उनकी कमी पूरी करना आसान नहीं होगा। ऐसे में स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी महिश तिक्षाणा और दुनिथ वेल्लालागे के पास रहेगी। वहीं तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को भी टी20 टीम में शामिल किया गया है। लंकाई टीम साल 2008 के बाद पहली बार जिम्बाब्वे जाएगी। एकदिवसीय सीरीज के दो मैच 29 अगस्त और 31 अगस्त को हरारे में होंगे। वहीं, तीन टी20 मैच 3, 6 और 7 सितंबर को हरारे में ही खेले जाएंगे।

श्रीलंका टी20 टीम इस प्रकार है = चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, कामिल मिशारा, विशेन हलंबगे, दासुन शनाका, दुनिथ वेल्लालागे, चमिका करुणारत्ने, महीश तिक्षाना, दुशान हेमंथा, दुशमंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा और मथीशा पथिराना।

श्रीलंकाई एकदिवसीय टीम = चरिथ असलंका (कप्तान), पथुम निसांका, निशान मदुष्का, कुसल मेंडिस, सदीरा समाराविक्रमा, नुवानिडु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानेज, पवन रत्नायके, दुनिथ वेल्लालागे, मिलन रथनायके, महेश दीक्षाना, जेफरी वेंडरसे, असिथा फर्नांडो, दुष्मंथा चमीरा और दिलशान मदुशंका।

औसत से कम प्रदर्शन, नीरज चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे

ज्यूरिख (एजेंसी)। विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने गुरुवार रात अपने छठे और अंतिम प्रयास में रात का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.01 मीटर भाला फेंका और सीजन के आखिरी डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा दो वैध थ्रो और तीन फाउल के साथ 84.35 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन अपने आखिरी प्रयास में केशोर्न वालकॉट को पछाड़कर दूसरे स्थान पर आ गए। उपविजेता स्थान हासिल करने से भारतीय दिग्गज और मौजूदा विश्व चैंपियन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार 26 बार शीर्ष दो में रहने के अपने अविश्वसनीय क्रम को भी बरकरार रखने में मदद मिली।

अक्टूबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से कुछ हफ्ते पहले आयोजित एक प्रतियोगिता में चोपड़ा पिछले साल जीता गया अपना खिताब बरकरार रखने में नाकाम रहे और 84.35 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जो इस स्विस शहर में 7 खिलाड़ियों के बीच उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 90.23 मीटर से कम था।

गत विजेता चोपड़ा को अपनी लय पाने में संघर्ष करना पड़ा और अपनी तकनीक में गलतियां करते हुए वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए संघर्ष करते रहे। अंतिम विजेता जूलियन वेबर पहले ही दौर में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और विश्व-अग्रणी दूरी हासिल करने में सफल रहे। उन्होंने जोरदार थ्रो से भाला 91.37 मीटर पर पहुंचा दिया, जो उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ 90.06 मीटर से बेहतर था, जिसने पहले कुछ मिनटों में ही प्रतियोगिता को समाप्त कर दिया।

पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स 82.06 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे क्योंकि वेबर को छोड़कर अधिकांश अन्य दो दिवसीय प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में विफल रहे। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक और पिछले साल पेरिस में रजत पदक जीतने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में 84.35 मीटर का थ्रो फेंका, जिससे वह जर्मनी के जूलियन वेबर (91.37 मीटर) और त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट (84.95 मीटर) के बाद तीसरे स्थान पर रहे।

वालकोट और चोपड़ा दोनों ने 79.91 मीटर और 82.00 मीटर के थ्रो फेंके, वेबर 91.51 मीटर के थ्रो के साथ आगे बढ़े जिसने लगभग उनके लिए पहला स्थान तय कर दिया। उन्होंने और चोपड़ा दोनों ने अपने तीसरे प्रयास में फाउल किया, जबकि भारतीय के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने अपने अगले प्रयास में भी फाउल किया। वेबर (83.66 मीटर) और वाल्कोट (81.78 मीटर) ने ऐसे थ्रो फेंके जिनका समग्र परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा।

चोपड़ा ने अपने पांचवें प्रयास में भी फाउल किया जबकि वाल्कॉट ने 77.00 मीटर का औसत थ्रो किया और वेबर ने 86.45 मीटर के साथ प्रतियोगिता का तीसरा सर्वश्रेष्ठ

थ्रो किया। उन्होंने अंतिम प्रयास में छठे और अंतिम थ्रो के साथ वाल्कॉट को पीछे छोड़ दिया। चोपड़ा ने जून में पेरिस में 88.16 मीटर के प्रयास के साथ प्रथम स्थान प्राप्त करके डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। उन्होंने मई में दोहा में 90.25 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और राष्ट्रीय रिकॉर्ड थ्रो किया था, जो 90 मीटर के निशान से आगे उनका पहला प्रयास था, और ज्यूरिख में फिर से 90 मीटर का आंकड़ा पार करने की उम्मीद कर रहे थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सौंधी गीली-सूखी मिट्टी के हैं अचूक फायदे

यह देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है। (1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी (3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान (5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा।

शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।

लाभ – त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको 'रज स्नान' कहा गया है।

- छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है।
- मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है ? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अत : जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं।
- मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण सें पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें.
- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विोष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

इन आसान तरीकों से मिलेगी पेट की हर समस्या से निजात

पेट में गडबडी आम समस्या है, जिसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं। क्यों ना इसका तुरंत समाधान कर चुस्त रहा जाए महिलाएं पेट की गडबडी की अधिक शिकार होती हैं। इसके कुछ कारण तो बहुत सामान्य होते हैं, पर कुछ ?से भी होते हैं, जिनके बारे में ज्यादा मालूम नही होता, इसलिए उस ओर हमारा ध्यान भी नहीं जाता। कौन से हैं ये कारण, इस बारे में एक जानकारी।

हारमोन कई महिलाएं माहवारी शुरू होने से पहले पेट में भारीपन, कब्ज और अतिसार की शिकायत करती हैं। माहवारी के शुरू होते ही स्थिति में अचानक बदलाव आता है और यह समस्या अपने आप दूर हो जाती है। सन डियागो में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ के अध्ययनो से पता चलता है कि एस्ट्रोजन हारमोन नसों के तंतुओं को प्रेरित कर आंतो से गुजरने वाले मल की गति को बढा देता है। इसी तरह माहवारी के पहले और माहवारी के दौरान पेट का फूलना एक आम समस्या है। इसका कारण प्रोजस्ट्रॉन हारमोन के स्तर में बदलाव आना है, जो गुर्दे के लिए पानी और नमक को रोककर रखने का संकेत हो सकता है। गर्भवती महिलाओं में पेट की गडबडी, खासतौर से खट्टी डकारें आने की समस्या अधिक होती है। अमेरिकन गैस्ट्रो एंट्रोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार 30 से 50 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं इस समस्या की शिकार होती है। इसका कारण हारमोनल और शारीरिक बदलाव होता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कैल्शियम सप्लीमेंट लेने से पेट के फूले होने और प्रीमेंस्टुरअल सिंड्रोम के अन्य लक्षणों में सुधार हो सकता है। इसके साथ ही पानी भी अधिक मात्रा में पिएं। खट्टी डकारें खासतौर से गर्भावस्था में छुटकारा पाने के लिए रात को सिर के नीचे कई तकिए लगा कर सोएं। सिट्रस, पिपरमिंट, मिर्च-मसालेदार या फिर टमाटर से बनी चीजें खाने से परहेज करे, क्योंकि ये इस समस्या को बढावा देती हैं। तनाव वास्तव में हमारे पेट में एक अलग से नर्वस सिस्टम तंत्रिका तंत्र होता है, जो लाखों-करोडों नर्व कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। न्यूयार्क की कोलंबिया युनिवर्सिटी के माइकल गर्शन के अनुसार जब हम तनावग्रस्त होते हैं, तो दिमाग हमारे पेट को एसिड अधिक बनाने और आंतो के सिकुडने के काम में तेजी लाने संबंधी सिगनल भेजता है, जिससे खट्टी डकारें आती हैं, मरोड उठते हैंऔर अतिसार पेचिश हो जाता है। हमारा शरीर भी कुछ ?से हारमोन और रसायन पैदा करता है, जिससे हमारी पाचन क्रिया प्रणाली सुस्त या फिर ज्यादा सक्रिय हो जाती है। वास्तव में दिमाग और पेट के बीच इतना जबर्दस्त संबंध होता है कि जीवन मे तनावपूर्ण लम्हों जैसा तलाक या परिवार में किसी की मौत का असर प्राय: पेट की गडबडियों के रूप में देखने को मिलता है। शरीर का 95 प्रतिशत सेरोटोनिन ''एक ?सा न्यूरोट्रांसमीटर'' ''जिसका संबंध उत्तेजना और अवसाद से है'' पेट में बनता है। यही वजह है कि एंटीडिप्रेसेंट दवाएं, जो सेरोटोनिन के स्तर को प्रभावित करती हैं, गंभीर पाचन संबंधी रोगों में मददगार हो सकती हैं।

इलाज क्या हो

रोज कम से कम 15 मिनट अपने को रिलेक्स करने के लिए निकालें। चाहें तो इस समय में अपनी किसी सहेली से बात क रें, अपनी मनपसंद पत्रिका पुस्तक पढें या फिर तेज चले। योग करें या ध्यान लगाएं। ?सी सेहतमंद डाइट लें, जिसमे रेशे पर्याप्त मात्रा में हों। किसी भी तरह का व्यायाम तनाव को कम करने में सहायक होता है।

पोषक तत्वों से भरपूर है खीरा

खीरा में मौजूद प्रोटीन, वसा, मैग्नीशियम, कार्बोहाइड्रेट, लोहा, और फास्फोरस, विटामिन ए, बी सी सहित कई पोषक तत्व शरीर में ऊर्जा बनाए रखते हैं। गर्मी के सीजन में शरीर को पानी की ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए खीरे का इस्तेमाल अधिक होता है। खीरे का इस्तेमाल सलाद के रूप में करते हैं। यह क्षारीय और खनिज तत्वों से भरपूर होता है। इसमे पोटेशियम होता है, जो हाई ब्लड प्रेशर के शिकार लोगों का ब्लड प्रेशर कम करने में मदद करता है। खीरा खाने से खूब पेशाब आता है। यह अल्सर के इलाज में प्रभावकारी है। खीरे में स्टेरोल्स नामक यौगिक होने के कारण शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है।

- खीरा में पोषक तत्व काफी होते है जो शरीर को लाभदायक है। यह मधुमेह के रोगियों के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। खीरा खाने से मुंह की दुर्गंध कम होती है साथ ही मुंह के बैक्टीरिया को भी मारता है। खीरा गुर्दे की समस्याओं को दूर करने का काम करता है।
- खारी त्वचा के लिए बहुत लाभदायक होता है। खीरे में मौजूद पोषक तत्व होने से त्वचा में निखार आता है।

सिर्फ बालों के लिए नहीं है नारियल तेल इन्हें भी आजमाएं

आमतौर पर नारियल तेल को बालों के लिए उपयोगी माना जाता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस तेल के और भी कई गुणकारी प्रयोग हैं.चलिए जानते हैं.

- रूखे और फटे होंठों पर सुबह शाम नारियल तेल लगाएं। रूखेपन की समस्या खत्म हो जाएगी।
- फटी एड़ियों के लिए रात में सोने से पहले पेट्रोलियम जैली के साथ नारियल तेल की मालिश करें। सुबह गुनगुने पानी से पैर धो लें।
- धब्बों की समस्या से परेशान हैं तो आधा चम्मच नारियल तेल में आधे नींबू का रस निचोड़े और चेहरे और कोहनी पर रगड़े, फिर गुनगुने पानी से धो लें।
- आंखों का मेकअप साफ करने के लिए कॉटन बॉल पर थोड़ा सा नारियल तेल डाले और हल्के हाथों से आंखों को साफ करें।
- नारियल के तेल की नहाने से पहले या फिर नहाने के बाद भी मालिश की जा सकती है। इससे त्वचा मुलायम और चमकदार रहेगी।
- बदन पर किसी भी तरह की खुजली हो नारियल तेल में कपूर मिलाकर त्वचा पर लगाएं और फायदा खुद देखें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कपिल मिश्रा के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन मामले में दिल्ली हाईकोर्ट का निचली अदालत से अनुरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन मामले में निचली अदालत से सुनवाई टालने का अनुरोध किया है। यह मामला 2020 के विधानसभा चुनावों के दौरान कथित रूप से भड़काऊ टिप्पणी करने से जुड़ा है। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने निर्देश तब दिया जब मिश्रा के वकील, महेश जेठमलानी, ने कोर्ट को जानकारी दी कि दिल्ली पुलिस ने अपने पूरक आरोपपत्र में कुछ ऐसी फाइलें शामिल की हैं, जो एक्स (पूर्व में ट्विटर) से मिली थीं। जेठमलानी के अनुसार, ये फाइलें कोडित और पढ़ने योग्य नहीं थीं। मिश्रा के वकील जेठमलानी ने कोर्ट से निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग कर तर्क दिया कि दस्तावेजों का एक पठनीय संस्करण उपलब्ध कराए बिना कार्यवाही शुरू करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर ट्रायल कोर्ट आगे बढ़ता है, तब उनकी अपील निरर्थक होगी। कोर्ट ने इन दलीलों को स्वीकार करते हुए निचली अदालत से सुनवाई को दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा तय की गई अगली तारीख तक स्थगित करने का अनुरोध किया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी। यह मामला 24 जनवरी, 2020 को दर्ज हुई एक एफआईआर से शुरू हुआ था, जिसमें कपिल मिश्रा पर सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री पोस्ट करके आदर्श आचार संहिता और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था।

महुआ मोइत्रा का विवादित बयान, शाह का सिर काटने की बात कही

कोलकात (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी को लेकर तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा विवादों में फिर गई हैं। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाए हैं कि मोइत्रा ने शाह का सिर काटने की बात कही है। खास बात है कि यह मामला तब सामने आया है, जब बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी करने का मामला तूल पकड़ रहा है। बंगाल भाजपा ने लिखा, जब महुआ गृहमंत्री का सिर काटने की बात करती हैं, तब ये टीएमसी की निराशा और हिंसा की संस्कृति को दिखाता है, जो बंगाल की छवि खराब कर रही है और राज्य को पीछे ले जा रही है। पार्टी ने वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें मोइत्रा पत्रकारों से बातचीत करती दिख रही हैं।

पंजाब में 37 साल में पहली बार भीषण बाढ़, कई जिले पूरी तरह जलमग्न

-एनआरआई पंजाबियों ने बढ़ाया मदद का हाथ

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में 37 साल में पहली बार भीषण बाढ़ आई, जिसने 1988 का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण सतलुज, ब्यास और रावी नदियाँ उफान पर हैं, जिससे पंजाब के कई जिले बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। पंजाब के प्रभावित क्षेत्र में पठानकोट, गुरदासपुर, फाजिल्का, तरनतारन, कपूरथला, फिरोजपुर, होशियारपुर, और अमृतसर जैसे जिलों में हालात गंभीर हैं। सैकड़ों गाँव जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ के कारण हजारों लोगों को पलायन करना पड़ा है, और जान-माल का बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। लोग अपने घरों और पशुओं को छोड़कर अस्थायी शिविरों में रहने को मजबूर हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बचाव कार्यों में तेजी लाने के आदेश दिए हैं। चंडीगढ़ में एक उच्च-स्तरीय बैठक भी बुलाई गई है। राजपुरा में एक बाढ़ नियंत्रण कक्ष और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर स्थापित किया गया है। विदेशों में रहने वाले पंजाबी समुदाय ने भी मदद का हाथ बढ़ाया है। सोशल मीडिया पर #प्रे फार पंजाब ट्रेंड कर रहा है। यह बाढ़ पंजाब के लिए एक बड़ी चुनौती है, और सरकार के साथ-साथ आम लोग भी इस आपदा से निपटने के लिए एकजुट होकर काम कर रहे हैं।

झारखंड के दो मंत्रियों की हत्या की धमकी....युवक पटना से गिरफ्तार

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गिरिडीह पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने 21 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है, युवक ने वीडियो में झारखंड के दो मंत्रियों की हत्या की धमकी दी थी। राजेंद्र नगर निवासी आरोपी अंकित कुमार मिश्रा को पटना में गिरफ्तार किया। मिश्रा ने वीडियो में दावा किया था कि उसके गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से संबंध हैं। गिरिडीह पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने बताया कि सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में मिश्रा ने गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को 24 घंटे के भीतर जान से मारने की धमकी दी। कुमार ने कहा, गिरिडीह के निवासी द्वारा युवक के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद एसआईटी का गठन किया। एसआईटी ने तकनीकी और खुफिया जानकारी की मदद से आरोपी को पटना से गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि मिश्रा का किसी लोरेंस गैंग से कोई संबंध नहीं है, लेकिन वह कई बार छोटे-मोटे अपराधों के लिए जेल जा चुका है। पुलिस ने बताया कि मिश्रा के खिलाफ धमकी देने और अशांति फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया जाएगा।

हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में जल्द बहाल होंगी मोबाइल सेवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संचार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल संपर्क सेवा बहाल करने के संबंध में एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सचिव (दूरसंचार) डॉ. नीरज मित्तल, संचार मंत्रालय, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और अन्य दूरसंचार संचालकों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने सभी प्रभावित क्षेत्रों, विशेष रूप से जम्मू के डोडा और उधमपुर जिलों में, जहाँ बाढ़ का सबसे अधिक प्रभाव पड़ा है, सेवाएँ बहाल करने के लिए तत्काल युद्धस्तर पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अंतर-जिला और घाटी संपर्क में क्रमिक प्रतिबंधों पर भी कड़ी नज़र रखी जा रही है ताकि सेवाएँ शीघ्र अति शीघ्र सामान्य हो सकें।

कब भरी जाएंगी 2021 से ख़ाली जम्मू कश्मीर से राज्यसभा की 4 सीटें?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की 4 राज्यसभा सीटें फरवरी 2021 से रिक्त पड़ी हैं। चुनाव आयोग ने केंद्र से अनुरोध किया था कि राष्ट्रपति द्वारा सभी चार रिक्त पड़ी राज्यसभा सीटों का कार्यकाल अलग-अलग यानी स्टेगर्ड टर्म्स के लिए निर्धारित कर दिया जाए ताकि हर दो साल में क्रमशः एक सीट खाली हो और नया चुनाव हो सके। लेकिन कानून और न्याय मंत्रालय ने यह मांग ठुकरा दी है। मंत्रालय ने आयोग से स्पष्ट कहा कि संविधान और मौजूदा कानूनों में ऐसी व्यवस्था की कोई अनुमति नहीं है।

आयोग ने कहा था कि संविधान का उद्देश्य राज्यसभा को स्थायी सदन बनाना है, जहाँ हर दो साल में एक-तिहाई सदस्य बदलते रहें। चूंकि जम्मू-कश्मीर में चारों सीटें एक साथ खाली हुई हैं, इस चक्र में असमानता आ गई है। इसलिए राष्ट्रपति आदेश से टर्म्स अलग-अलग कर दिए जाएं। कानून मंत्रालय ने कहा कि इस तरह की मांग का कोई कानूनी आधार नहीं है। यदि राष्ट्रपति आदेश से एक बार टर्म बदल दिया गया तो वही नियम अन्य राज्यों में भी लागू करना होगा, जहाँ अतीत में ऐसी स्थिति बनी थी (जैसे पंजाब और दिल्ली)। ऐसा करना संविधान संशोधन के बिना संभव नहीं।

जम्मू कश्मीर की नई विधानसभा में कुल 90 निर्वाचित सदस्य और 5 नामित सदस्य हैं। इनमें नेशनल कॉन्फ्रेंस 34 विधायक हैं जबकि कांग्रेस के 17, भारतीय जनता पार्टी के 22, अन्य व निर्दलीय - 17 विधायक हैं। राज्यसभा चुनाव में मतदान केवल निर्वाचित विधायक करते हैं। इस लिहाज़ से नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन के पास 51 विधायकों की संख्या है जो बहुमत से काफी अधिक है। इस समीकरण में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस को राज्यसभा की 3 सीटें मिलना लगभग तय माना जा रहा है। चौथी सीट के लिए भाजपा और नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस के बीच टक्कर होगी। यदि गठबंधन निर्दलीयों को साथ ले आया, तो चारों सीटें उसके खाते में जा सकती हैं। भाजपा की झोली ख़ाली रह सकती है।

नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस ने कहा कि कानून मंत्रालय का फैसला सही है और इससे जम्मू-कश्मीर की जनता की आवाज़ राज्यसभा में दोबारा सुनी जाएगी। भाजपा नेताओं ने आयोग की मांग को ÷तर्कसंगत÷ बताते हुए कहा कि एक साथ चुनाव से विपक्ष को अनुचित लाभ मिलेगा। जबकि संवैधानिक विशेषज्ञों का कहना है कि चुनाव आयोग की मंशा संवैधानिक भावना के अनुरूप हो सकती है, लेकिन कानूनी प्रावधानों के अभाव में ऐसा करना संभव नहीं।

विशेषज्ञों का मानना है कि जम्मू-कश्मीर का मामला पहला नहीं है। इससे पहले भी पंजाब और दिल्ली में राष्ट्रपति शासन और आपातकाल

के दौर में राज्यसभा सीटें एक साथ खाली हुई थीं। पंजाब में आपातकाल के दौरान विधानसभा भंग हो जाने से राज्यसभा सीटों के कार्यकाल एकसाथ खत्म हुए। दिल्ली में 1990 के दशक में इसी तरह की स्थिति बनी थी। लेकिन तब भी कभी टर्म्स को स्टैगर करने का आदेश नहीं दिया गया। सभी सीटों पर एक साथ चुनाव कराए गए और नए सदस्यों का कार्यकाल एक ही तारीख से शुरू माना गया। यही परंपरा अब जम्मू-कश्मीर में भी अपनाई जाएगी।

देहरादून में विक्रम में 6 से ज्यादा सावरियों पर रोक... ड्राइवर के बंगल वाली सीट पर कोई सवारी नहीं बैठेगी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में नियमों को दरकिनार कर चल रहे विक्रम अब केवल छह सवारियों के साथ ही चल सकते है। ड्राइवर के बंगल वाली सीट पर कोई सवारी नहीं बैठेगी। हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) ने एक आदेश जारी किया है। विक्रम अब सिक्स प्लस वन की श्रेणी में ही माने जाएंगे, जिसका मतलब है कि वे ड्राइवर के अलावा केवल छह सवारियां बैठा सकते हैं। विक्रम चालकों को आदेश दिया गया है कि वे 10 सितंबर तक आगे वाली सीट हटा दें और ड्राइवर के केबिन को लोहे की चादर या रॉड से बंद करवा दें। जो विक्रम 10 सितंबर तक यह बदलाव नहीं करते हैं, उनकी फिटनेस नहीं होगी और न ही उनके टैक्स से संबंधित कोई काम किया जाएगा। यदि किसी विक्रम में आगे की सीट पर सवारी बैठी पाई गई, तब 20,000 तक का जुर्माना लगाया जाएगा। ओवरलोडिंग करने वाले विक्रमों के खिलाफ उनके परमिट की शर्तों के उल्लंघन के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि शहर में कुल 784 विक्रम पंजीकृत हैं। यह फैसला नैनीताल हाईकोर्ट के आदेश के बाद लिया गया है, जिसने स्पष्ट किया है कि परिवहन मुख्यालय इस संबंध में कोई निर्णय नहीं ले सकता। इससे पहले, साल 2019 में भी यही नियम लागू किया गया था, लेकिन बाद में चालकों ने रॉड हटाकर फिर से सवारियां बैठाना शुरू कर दिया था।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु अपने घर पहुंचे, माता-पिता की खुशी का ठिकाना न रहा

-मां के हाथ की बनी मठरी खाई, चचेरे भाई ने कर थी फरमाईश

लखनऊ (एजेंसी)। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला शुक्रवार को लखनऊ स्थित अपने घर पहुंचे। बेटे को देख माता-पिता की बहुत खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि हमने बेटे से आने को कहा था और उसने व्यस्तता के बावजूद समय निकाला, हमारी बात मानी और मान बढ़ाया। वहीं, शुभचिंतकों से घिरे शुभांशु भी काफी भावुक नजर आए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस खास मौके पर शुभांशु के पिता शंभु दयाल शुक्ला ने कहा कि हमें बहुत अच्छा लगा कि मेरा बेटा घर आया। उसके आने के बाद सभी के चेहरे खिल उठे। जैसे ही आसपास के लोगों को पता लगा, सब उससे मिलने आए। उसने सभी लोगों से बात की। मेरे बेटे से कई विषयों को लेकर बात हुई। एक बार उसका कार्यक्रम पूरा हो जाए, तो इसके बाद हम बेंगलुरु जाएंगे। शुभांशु की माता आशा ने कहा कि हमें बहुत अच्छा लगा कि हमारा बेटा घर आया। मैं लंबे समय से इंतजार कर रही थी। ऐसी स्थिति में हमें लग रहा था कि शायद उसका आना मुश्किल हो जाएगा, लेकिन जैसे ही हमें पता लगा कि वह आया है, तो हमारी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। शुभांशु की मां ने कहा कि उन्होंने बेटे के आने की खुशी में कुछ खास नहीं बनाया। हमारे घर में जो भी सामान्य तौर पर बनता है, वही बनाया था। वो तो मेरा बेटा है। जैसा मेरे लिए पहले था, वैसे ही आज है। हमें बहुत खुशी हुई कि वो समय निकालकर हमसे मिलने आया।

शुभांशु शुक्ला के चचेरे भाई आशीष ने कहा कि हमें बहुत अच्छा लगा कि शुभांशु हमारे बीच में आए और अपनी मां के हाथ का बना खाना खाया। उसके लिए मठरियां बनाई गई थीं, जिसे उसने बहुत ही चाव से खाया था। हमने शुभांशु से कहा कि लखनऊ में एक एयरशो होना चाहिए है। अगर ऐसा करते हैं, तो निश्चित तौर पर इससे आने वाली पीढ़ियों को व्यापक स्तर पर फायदा पहुंचेगा।

भाजपा ने विपक्ष पर साधा निशाना: मराठा आरक्षण पर शरद पवार और उद्धव ठाकरे की चुप्पी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई ने विपक्ष के महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन पर मराठा आरक्षण के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। भाजपा के प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने कहा कि जब एमवीए सत्ता में थी, तब उन्होंने मराठा समुदाय की मांगों की अनदेखी की। बीजेपी प्रवक्ता उपाध्ये ने विशेष रूप से एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मराठा आरक्षण के लिए कार्यकर्ता मनोज जरांगे का आंदोलन शुरू होने के बावजूद, ये नेता चुप हैं।

उपाध्ये ने पोस्ट कर आरोप लगाया कि एमवीए सरकार ने जानबूझकर मराठा समुदाय की मांगों को नजरअंदाज किया।

उन्होंने दावा किया कि शरद पवार ने एक बार आरक्षण के मुद्दे को आगे न बढ़ाने की बात कही थी और अब उन्होंने भ्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवसेना के मुखपत्र सामना ने मराठा समुदाय के मौन मार्च को मुक्का मोर्चा कहकर उनका मज़ाक उड़ाया था। उपाध्ये ने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक मराठों को सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया।

मनोज जरांगे का आंदोलन

मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे हजारों समर्थकों के साथ शुक्रवार को मुंबई के आजाद मैदान पहुंचे। उन्होंने अनशन शुरू करते हुए कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, वे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की तरफसे सहयोग की कमी के कारण उन्हें मुंबई तक मार्च करना

पड़ा। जरांगे ने अपने समर्थकों से शांति बनाए रखने और पुलिस के साथ सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोई भी ऐसा काम नहीं करना चाहिए जिससे समुदाय की छवि खराब हो।

भाजपा ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि मराठों को ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) कोटा को छेड़े बिना आरक्षण मिलना चाहिए। पार्टी ने दावा किया कि इस दिशा में कानूनी तैयारियां चल रही हैं।

सौगात : बिहार को दो और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन जल्द मिलेंगी

मुजफ्फरपुर। बिहार की राजधानी पटना के साथ ही उत्तर बिहार के विभिन्न शहरों से श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या से आना-जाना आसान और सुगम हो जाएगा। दोनों नई प्रस्तावित वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें पटना से चलाए जाने की योजना है, जो मुजफ्फरपुर होकर संचालित होंगी। जल्द ही इनका आधिकारिक टाइम टेबल जारी किया जाएगा। मालूम हो कि, उत्तर पूर्व रेलवे पहले से गोरखपुर से एक वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन कर रहा है। यह गोरखपुर से बगहा, बेतिया, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर होते हुए पाटलिपुत्र के बीच चल रही है। शुरुआती दिनों में यात्रियों की कमी थी। अब यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जानकारी के अनुसार, पटना से अयोध्या के बीच नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन जल्द शुरू होगी। यह ट्रेन पटना से खुलने के बाद पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, बापूधाम मोतिहारी, सुगौली, बेतिया, नरकटियागंज, बगहा, सिसवा बाजार, गोरखपुर, बस्ती और अयोध्या धाम होते हुए अयोध्या कैंट स्टेशन तक पहुंचेगी। कुल 565 किलोमीटर की दूरी यह ट्रेन लगभग पौने 8 घंटे में पूरी होगी। दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन पूर्णिया से पटना के दानापुर के बीच होगा। यह ट्रेन पूर्णिया से खुलकर मधेपुरा, सहरसा, खगड़िया, हसनपुर रोड, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर और पाटलिपुत्र होते हुए दानापुर तक पहुंचेगी। इस ट्रेन की घोषणा बीते दिनों रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली में की थी। फिलहाल इन दोनों वंदे भारत ट्रेनों की समय सारिणी पर आधिकारिक मुहर नहीं लग सकी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इन सेमी हाई स्पीड ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई जा सकती है।

स्वार्थ के कारण राजनीति का गिरता स्तर अति-दुखद एवं चिंतनीय

-मायावती ने कहा-एक-दूसरे को नीचा दिखाने के लिए देश का माहौल खराब ना करें

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा में कांग्रेस और राजद की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी के खिलाफ मंच से कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर देशभर में राजनीतिक बवाल मच गया है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने भी इस प्रकरण पर नाराजगी जताई है। उन्होंने बिना नाम लिए पीएम के खिलाफ हुई अभद्र टिप्पणी की निंदा की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मायावती ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा- देश में खासकर राजनैतिक स्वार्थ के कारण राजनीति का गिरता स्तर अति-दुखद एवं चिंतनीय है। इस संबंध में सभी पार्टियों की राजनीति, पार्टी के संविधान के हिसाब से विचार और सिद्धान्तों के आधार पर, देश व करोड़ों गरीबों व आमजन के हित में होनी चाहिए, जो कि खासकर पिछले कुछ सालों से

सही से देखने को नहीं मिल रहा है, जबकि देश के सामने कई आन्तरिक एवं बाहरी चुनौतियां हैं।

उन्होंने कहा कि देश के उच्च सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं व विशेषकर राजनीति में उच्च पदों पर बैठे लोगों के बारे में जिस प्रकार की अभद्र, अशोभनीय, अमर्यादित व असंसदीय टिप्पणी सार्वजनिक तौर पर की जा रही हैं उनकी व देश की छवि को भी धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है, वह अति-दुखद व चिंतनीय है। इसी क्रम में अभी बिहार में भी जो कुछ देखने व सुनने को मिला है, वह देश की चिन्ता को बढ़ाने वाला है।

मायावती ने कहा कि बसपा शुरू से ही सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के अम्बेडकरवादी सिद्धान्त और नीति पर आयरन दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ पार्टी व सरकार चलाने का साहस दिखाने वाली पार्टी होने के कारण किसी भी प्रकार की दूषित राजनीति के खिलाफ है और दूसरों से भी यही उम्मीद करती है कि वे देश व आमजन के हित में घिनौनी स्वार्थ की राजनीति करने से दूर रहें और एक-दूसरे को जबरदस्ती नीचा दिखाने की सस्ती राजनीति से देश का माहौल खराब ना करें तो बेहतर है।

उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान का उल्लेख करते हुए कहा कि आदर्श कल्याणकारी भारतीय संविधान, भारत के करोड़ों लोगों के हित, सुरक्षा व उनके आत्म-सम्मान को सर्वोपरि मानते हुए हर संवैधानिक संस्था को अपनी-अपनी तय सीमा में रहकर कार्य करने अर्थात उन सबके लिए चेक एण्ड बैलेन्स की गारण्टी तय की है, जिस पर सही से अमल करके ही हालात को बिगड़ने से बचाया जा सकता है।

बिहार एसआईआर को लेकर स्टालिन का आरोप, ऐसी प्रक्रिया तमिलनाडु में नहीं होनी चाहिए

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रक्रिया तमिलनाडु में नहीं होनी चाहिए, और लोगों को बिहार की स्थिति के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। सीएम स्टालिन ने इस विरोध में विपक्षी इंडिया ब्लॉक का समर्थन किया है। उनका तर्क है कि एसआईआर से समाज का एक बड़ा वर्ग मताधिकार से वंचित होगा। वह हाल ही में राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा में भाग लेने के लिए बिहार गए थे, जहाँ उन्होंने तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य जैसे अन्य नेताओं के साथ मंच साझा किया था।

स्टालिन ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को एक कठपुतली बताया है। उन्होंने भाजपा पर चुनाव आयोग को रिमोट कंट्रोल से चलाने और बिहार के लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाने का

आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव निष्पक्ष हो जाएं तब एनडीए हार जाएगा। राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने वोट चोरी का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की मिलीभगत से भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाया है। स्टालिन ने राहुल गांधी का समर्थन करते हुए कहा कि भाजपा उन पर हमला कर रही है क्योंकि उन्होंने चुनावों को मज़ाक बनाने के भाजपा के प्रयासों को उजागर कर दिया है। वोट अधिकार यात्रा जारी है। यह अभियान अब अपने अंतिम चरण में पहुँच गया है, जिसमें राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी जैसे नेता शुक्रवार को बेतिया में शामिल हुए।

उन्होंने आगे कहा कि कल, मैं अगले सप्ताह के लिए जर्मनी और इंग्लैंड जा रहा हूँ। तमिलनाडु ने हमारी द्रविड़ मॉडल सरकार की नीतियों के माध्यम से 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है।

ट्रंप टैरिफ के बीच पुतिन और जिनपिंग के साथ बैठक को तैयार पीएम मोदी...दुनिया की नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले हैं, जहाँ वे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अहम द्विपक्षीय बैठकें करने वाले है। यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत की विदेश नीति में एक संतुलनकारी कदम है, खासकर अमेरिका में ट्रंप प्रशासन से बढ़ते आर्थिक और कूटनीतिक तनाव के कारण ऐसी परिस्थिति बनी है। वहीं इस घटनाक्रम पर पूरी दुनिया की नजर बनी हुई है। मजेदार बात ये हैं कि भारत और चीन की इस दोस्ती से अमेरिका को चिढ़ हो रही है। इसलिए अमेरिकी प्रशासन के कई सारे अधिकार इस मुलाकात को लेकर अपना विरोध जता रहे है। अमेरिका के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा रही है। क्योंकि ट्रंप के टैरिफ वॉर ने गलवान विवाद के बाद एक-दूसरे से दूर रहे भारत और चीन को एकसाथ ला दिया है।

दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा

भारत के प्रमुख निर्यात उत्पादों जैसे इस्पात, कपड़ा और कृषि उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक के भारी टैरिफ लगाने से भारत के निर्यातकों को काफी नुकसान हो रहा है। इसके अलावा, अमेरिका रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर दबाव डाल रहा है, जिसमें भारत भी शामिल है। यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देशों ने रूस पर कई प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा है, जिससे अमेरिका-भारत संबंधों में तनाव बढ़ा है।

वहीं जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के बीच काफी तनाव रहा था। हालाँकि, अब दोनों देश सैन्य और कूटनीतिक बातचीत के जरिए तनाव कम करने की कोशिश कर रहे हैं। पीएम मोदी की जिनपिंग से यह मुलाकात इस बात का संकेत है कि भारत-चीन संबंधों में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है।

इतना ही नहीं रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद, भारत और रूस अपनी पारंपरिक साझेदारी को आगे बढ़ रहे हैं। पुतिन और मोदी के बीच बैठक में भारत-रूस-चीन के बीच त्रिपक्षीय बातचीत को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा हो सकती है। रूस के लिए भारत एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है, और यह बैठक दोनों देशों के बीच आर्थिक, रक्षा और कूटनीतिक सहयोग को गहरा करने के लिए महत्वपूर्ण है।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक महत्वपूर्ण मंच है, इसमें 20 से ज़्यादा देश शामिल हैं। यह क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और राजनीतिक संवाद को बढ़ावा देता है। चीन इस मंच का उपयोग अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाने और रूस को कूटनीतिक समर्थन देने के लिए करता है। वहीं, भारत के लिए यह मंच अपनी बहुपक्षीय नीति को मजबूत करने और वैश्विक परिदृश्यों में खुद को एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्थापित करने का अवसर है।

इन बैठकों के जरिए, भारत अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। अमेरिका के साथ आर्थिक तनाव के बावजूद, भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम है और चीन व रूस जैसे देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है। यह बैठकें भारत की भविष्य की विदेश नीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सिएटल में भारतीय वाणिज्य दूतावास का नया कार्यालय शुरू

सिएटल, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने सिएटल में भारतीय महावाणिज्य दूतावास के नए कार्यालय का उद्घाटन किया। वाणिज्य दूतावास ने बताया, यह कार्यालय ऐतिहासिक 'फेडरल रिजर्व बिल्डिंग' में 1015 सेकंड एवेन्यू पर स्थित है। इमारत की पहली मंजिल पर सार्वजनिक सेवाओं के लिए वाणिज्य दूतावास अनुभाग है और 11वीं मंजिल पर प्रशासनिक एवं वाणिज्यिक शाखाएं हैं।

इमरान की पार्टी करेगी उपचुनाव का बहिष्कार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी राष्ट्रीय व प्रांतीय विधानसभाओं के आगामी उपचुनाव का बहिष्कार करेगी। खान अभी जेल में बंद हैं। नौ मई, 2023 के दंगों में संलिप्तता के लिए खान की पार्टी (पीटीआई) के नेताओं को दोषी ठहराने के बाद नेशनल असेंबली और प्रांतीय विधानसभाओं की कई सीट खाली हो गई थीं। उपचुनावों का बहिष्कार का फैसला पार्टी की राजनीतिक समिति ने लिया। इस निर्णय के बाद, पीटीआई ने नेशनल असेंबली की सभी स्थायी समितियों से इस्तीफा दे दिया।

फ्लोरिडा के गवर्नर बोले, एच-1बी वीजा एक घोटाला

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं में एच-1बी वीजा के खिलाफ आवाज बुलंद करने वालों में फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस भी जुड़ गए हैं। उन्होंने एच-1बी वीजा को एक घोटाला कार्यक्रम बताया। वह बोले, इसका कारण अमेरिकियों की बढ़ती छंटनी है, ताकि विदेशी कामगारों के लिए अमेरिका में रोजगार का रास्ता बनाया जा सके। इन दिनों माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल समेत कई बड़ी टेक कंपनियों में छंटनी की वजह से एच-1बी वीजा चर्चा में है। डेसेंटिस ने कहा, कंपनियां अमेरिकी कामगारों को नौकरी से निकाल रही हैं और एच-1बी वीजा वालों को सस्ते में काम पर लिया जा रहा है।

सूडान मानवीय संकट पर यूनिसेफ ने दी चेतावनी

खार्तूम, एजेंसी। सूडान के पश्चिमी छोर पर बसे शहर एल-फाशेर से जुड़े एक अनुमान के मुताबिक यहां लगभग 2.6 लाख लोग रहते हैं। इनमें आधे बच्चे हैं। भयानक मानवीय संकट का सामना कर रहे इस शहर के हालात पर संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। शहर में 16 महीने से सहायता बंद होने के कारण लोग भूख, बीमारी और हिंसा से जूझ रहे हैं। यूनिसेफ ने चेतावनी दी है कि करीब 6,000 बच्चे गंभीर कुपोषण के कारण मौत की कगार पर हैं। एल-फाशेर दारफुर क्षेत्र में सेना का अंतिम गढ़ माना जाता है। अप्रैल 2024 से ही अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज ने यहां की घेराबंदी कर रखी है। यूनिसेफ ने कहा कि मानवीय सहायता को रोकना बच्चों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। यूनिसेफ ने मदद के मार्ग तत्काल खोले जाने की मांग की। बता दें कि सूडान में अप्रैल 2023 से सेना और ऋस्स्न के बीच युद्ध छिड़ा है। अब तक लाखों लोग विस्थापित हो चुके हैं। हजारों लोग मारे गए हैं। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय यहां होने वाले अत्याचारों की जांच कर रहा है।

नए कोविड टीकों को एफडीए से मंजूरी, फिलहाल सीमित इस्तेमाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी दवा नियामक-एफडीए ने नए कोविड टीकों को मंजूरी दी है। फिलहाल इसके सीमित इस्तेमाल की अनुमति होगी। अमेरिकी नियामकों ने नई वैक्सीन को मंजूरी देने के संबंध में कहा कि अपडेट किए गए कोविड-19 टीकों को मंजूरी दी गई है, लेकिन अब उनका उपयोग सीमित कर दिया गया है। नई शर्तों के मुताबिक फाइजर, मॉडर्ना और नोवावैक्स के नए टीके सभी वरिष्ठ नागरिक लगवा सकते हैं। बच्चों, किशोरों और वयस्कों को ये टीके केवल तभी लगाए जाएंगे जब उन्हें अस्थमा, मोटापा जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं या कोई उच्च जोखिम हो। एफडीए ने बताया, अब पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए फाइजर टीके का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। अब केवल मॉडर्ना का टीका लगाया जा सकेगा, वह भी केवल गंभीर स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे बच्चों को। नोवावैक्स का टीका 12 वर्ष से अधिक उम्र वालों को ही लगाया जा सकेगा। नई नीति को लेकर कई अमेरिकी चिकित्सा संगठनों ने आपत्ति भी जताई है। इनका कहना है कि बच्चों पर सीमित इस्तेमाल, बीमा कवरेज और राज्यों के कानूनों के चलते टीकों का इस्तेमाल जटिल हो सकता है। बिना बीमा वाले लोगों को वैक्सीन के लिए लगभग 150 डॉलर तक भुगतान करना पड़ सकता है।

चीन की विक्ट्री-डे परेड में शामिल होंगे पुतिन और किम जोंग उन, 26 विदेशी नेता मौजूद रहेंगे, जापान ने जताई नाराजगी

बीजिंग, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिरि पुतिन और नॉर्थ कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन 3 सितंबर को चीन के विक्ट्री-डे परेड में शामिल होंगे। चीनी सरकार के मुताबिक इस कार्यक्रम में 26 विदेशी नेता हिस्सा लेंगे। यह परेड बीजिंग में होगी। इनमें तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह भी शामिल हैं।

चीन इसे सेकेंड वर्ल्ड वॉर में जापानी आक्रमण के खिलाफ चीन के जवाबी हमले की वर्षगांठ के तौर पर मनाता है। हालांकि इस परेड को लेकर चीन और जापान के बीच विवाद छिड़ गया है। जापान ने ग्लोबल लीडर्स से इसमें शामिल न होने की अपील की थी। इसके बाद चीन ने जापान के खिलाफ आधिकारिक राजनयिक विरोध दर्ज कराया। चीन के विदेश उपमंत्री होंग लेई ने बताया कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर ये सभी नेता शामिल होंगे। परेड का आयोजन शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के ठीक बाद होगा, जो 31 अगस्त और 1 सितंबर को तियानजिन शहर में होने वाला है।

जापान के आक्रमण के खिलाफ जीत की याद में हो रहा आयोजन : चीन ने गुरुवार को बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन समेत 26 विदेशी नेता 3 सितंबर को चीन में आयोजित होने वाले विजय दिवस (विक्ट्री डे परेड) समारोह में शामिल होंगे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी आक्रमण के खिलाफ प्रतिरोध युद्ध में चीन की जीत के उपलक्ष्य में इस विजय दिवस परेड का आयोजन किया जा रहा है। हालांकि इस विजय दिवस परेड को लेकर चीन और जापान में कूटनीतिक विवाद हो गया है। जापान ने जहां वैश्विक नेताओं से चीन के कार्यक्रम में शामिल न होने की अपील की है, वहीं चीन ने जापान के सामने इसे लेकर राजनयिक विरोध दर्ज कराया है। चीन के सहायक विदेश मंत्री होंग लेई ने गुरुवार को बताया कि बीजिंग में चीन के विजय दिवस समारोह में 26 विदेशी नेता शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इनमें पुतिन और किम भी शामिल हैं। ये नेता चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर बीजिंग जा रहे हैं। होंग ने कहा, चीन 3 सितंबर को जापानी आक्रमण के विरुद्ध चीनी जन प्रतिरोध युद्ध और विश्व फासीवाद-विरोधी युद्ध में विजय की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक विशाल सैन्य परेड का आयोजन करेगा।

एससीओ बैठक के तुरंत बाद होगा परेड का आयोजन : यह परेड शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद बीजिंग में आयोजित की जा रही है। शंघाई सहयोग संगठन की बैठक का आयोजन, 31 अगस्त और 1 सितंबर को तियानजिन शहर में होने वाला है। पिछले हफ्ते, चीन के सहायक विदेश मंत्री लियू बिन ने एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस सहित 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के अलावा 20 देशों के शीर्ष नेता एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी एससीओ बैठक में भाग लेने चीन जाएंगे।

जापान ने जताई नाराजगी : एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले कई देशों के नेताओं के चीन की विजय दिव परेड में शामिल होने की पुष्टि से जापान नाराज हो गया है। जापानी समाचार एजेंसी क्योदो ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा कि जापान ने विदेशों में अपने दूतावासों के माध्यम से अन्य देशों को सूचित किया है कि वे चीन के विजय दिवस कार्यक्रमों में शामिल न हों क्योंकि इन कार्यक्रमों में जापान विरोधी भावनाएं हैं।

इस पर चीन ने भी नाराजगी जाहिर की है और जापान में अपने राजदूत के जरिए जापान सरकार के समक्ष राजनयिक विरोध दर्ज कराया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, अगर जापान सचमुच इस ऐतिहासिक मुद्दे को बदलना चाहता है, तो उसे अपने आक्रामक इतिहास का ईमानदारी से सामना करना चाहिए और उस पर चिंतन करना चाहिए, सैन्यवाद से पूरी तरह नाता तोड़ना चाहिए, शांतिपूर्ण विकास के मार्ग पर चलना चाहिए और चीन तथा अन्य पीड़ित देशों के लोगों की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए।

इंटरनेट वाले प्यार से मिलने के लिए मौत का झूठा नाटक, नसबंदी भी हटवाई; अब पहुंचा जेल

मैडिसन, एजेंसी। अमेरिका में एक व्यक्ति ने अपनी एक महिला मित्र से मिलने के लिए सारी हदें पार कर दी। अपने बच्चों और अपनी पत्नी की परवाह न करते हुए सबसे पहले तो उसने अपनी मौत का झूठा नाटक किया और फिर अपनी नसबंदी को हटवाकर नया पासपोर्ट बनवाया और उज्बेकिस्तान की अपनी महिला मित्र से मिलने के लिए निकल पड़ा। हालांकि इसी दौरान उसे रास्ते में गिरफ्तार कर लिया गया और अब उसे 89 दिनों की जेल की सजा सुनाई गई है। यह उतने ही दिन है, जितने दिन तक वह पुलिस और उसके परिवार के लिए लापता या मृत घोषित होकर रहा था।

एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक विस्कॉन्सिन के रहने वाले 45 वर्षीय रयान बोर्गवर्ड सोशल मीडिया पर उज्बेकिस्तान की एक महिला के साथ संपर्क में था। उसके पास जाकर अपना जीवन जीने के लिए उसने यह पूरा नाटक किया।

गिरफ्तार किए जाने पर कोर्ट में पेश किए गए रयान ने कहा कि उसे अपने किए कराए पर पछतावा है, उसे दुख है कि उसने अपने प्रियजनों और दोस्तों को परेशान किया। रयान के इस बयान पर बचाव पक्ष के वकील ने अदालत से कहा, ÷अभियुक्त को अपने किए पर पछतावा है और वह उसकी जिम्मेदारी ले रहा है, इसलिए उसकी सजा कम की जाए। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले अगस्त में बोर्गवर्ड ने इस पूरी योजना को अंजाम देना शुरू किया था। उसने अपनी पत्नी से कहा कि वह ग्रीन लेक पर कयाकिंग करने के लिए जा रहा है। इसके बाद वह वहां से लापता हो गया। पुलिस ने शुरुआती जांच में अनुमान लगाया था कि शायद वह डूब गया होगा।

अमेरिकी स्कूल पर गोलीबारी, 2 बच्चों की मौत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में बुधवार को एक कैथोलिक स्कूल में हुई गोलीबारी में दो बच्चों और हमलावर समेत 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हैं, जिनमें 14 बच्चे हैं। यह घटना उस वक्त हुई जब स्कूल में सामूहिक प्रार्थना सभा चल रही थी। मारे गए दोनों बच्चों की उम्र 8 और 10 साल है। पुलिस ने मीडिया को बताया कि हमलावर ने खुद को गोली मार ली, जिससे उसकी भी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे के वक्त दोनों बच्चे बेंच पर बैठे थे।

हमलावर के पास तीन हथियार थे - एक राइफल, एक शॉटगन और एक पिस्टल। हमलावर के बंदूकों पर डोनाल्ड ट्रम्प को मार डालो और भारत पर परमाणु बम गिराओ जैसे नारे लिखे थे। दो दिन पहले यानी सोमवार को ही स्कूल की गर्मियों की छुट्टियां खत्म हुई थीं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उन्हें इस घटना की पूरी जानकारी दी गई है। स्नक्च्छ ने फौरन कार्रवाई की और वे वहां मौजूद हैं। व्हाइट हाउस हालात पर नजर रख रहा है।

हमलावर की पहचान 23 वर्षीय रॉबिन वेस्टमैन के रूप में हुई है। वेस्टमैन ने 2020 में अपना नाम बदल दिया था। इस हमले की दो वीडियो रोबिन डब्ल्यू नामक यूट्यूब चैनल पर डाले गए थे, लेकिन बाद में वीडियो समेत चैनल भी डिलीट कर दिया गया।

मोबाइल फोन से शूट किए गए लगभग 10 मिनट लंबे वीडियो में हथियारों, गोला-बारूद और भरी हुई मैगजीन का जखीरा दिखाया गया है। मैगजीन पर डोनाल्ड ट्रम्प को मार डालो, ट्रम्प को अभी मार डालो, इजराइल का पतन होना चाहिए, और इजराइल को जला दो जैसे नारे लिखे थे। इनमें से एक हथियार पर 'न्यूक इंडिया' (भारत पर परमाणु हमला) भी लिखा हुआ था। वीडियो में एक परिवार और दोस्तों के नाम एक लेटर भी दिखाया गया है, जिसमें गोलीबारी से उनके लिए जो परिणाम होंगे उसके लिए माफी मांगी गई है। अमेरिकी गृह सचिव क्रिस्टी नोएम ने वीडियो की पुष्टि की है। मैगजीनों पर तुम्हारा ईश्वर कहां है? और बच्चों के लिए भी लिखा हुआ था। एक पर पहले स्कूलों पर गोलीबारी कर चुके शूटरों के नाम और कुछ संदेश लिखे हुए थे। वीडियो में एक समय पर उस व्यक्ति ने एक छोटी बंदूक भी निकाली और कहा, यह मेरे लिए है। अगर मुझे इसकी जरूरत पड़े तो। वीडियो में उस व्यक्ति के परिवार को लिखा एक पत्र भी दिखाया गया, जिसमें गोलीबारी से उनके लिए क्या मायने होंगे? इसके लिए माफी मांगी गई है। लगभग 20 मिनट लंबे दूसरे वीडियो में दो अलग-अलग जर्नल दिखाए गए- पहला 150 से ज्यादा पेजों का था। सभी शायद सिरिलिक वर्णमाला में लिखे हुए थे। दूसरे जर्नल में अंतिम प्रविष्टि की तारीख 8-21-25 थी और यह 60 से ज्यादा पेजों का था। यह भी पूरी तरह से सिरिलिक में लिखा गया था।

अमेरिकी गृह सचिव क्रिस्टी नोएम ने वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि करते हुए कहा कि बेहद बीमार हत्यारे ने राइफल की मैगजीन पर बच्चों के लिए, तुम्हारा ईश्वर कहां है? और डोनाल्ड ट्रंप को मार डालो जैसे शब्द लिखे थे। उन्होंने एक्स पर लिखा, इस स्तर की हिंसा अकल्पनीय है। अधिकारियों ने कहा कि वेस्टमैन ने हथियार कानूनी तौर पर खरीदे थे, उसका कोई ज्ञात आपराधिक इतिहास नहीं था और उसने अकेले ही यह काम किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शोक के प्रतीक के रूप में पूरे देश में अमेरिकी ध्वज आधा झुकाने का आदेश दिया है।

अमेरिका के लिए अब मैक्सिको ने भी लगाई डाक सेवा पर अस्थायी रोक, नई टैरिफ नीति के कारण लिया फैसला

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको ने बुधवार को कहा कि वह अस्थायी रूप से अमेरिका को अपने डाक पार्सल भेजना बंद कर रहा है। यह फैसला अमेरिका में कम मूल्य वाले पार्सल पर लगने वाले कर की छूट खत्म होने से पहले लिया गया है, जिसे डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन खत्म करने जा रहा है। इससे पहले यूरोपीय संघ और कुछ अन्य देशों की डाक सेवाओं ने भी ऐसे ही कदम उठा हैं। वह भी अमेरिका के इस नए नियम को लेकर स्पष्ट स्थिति का इंतजार कर रही हैं।

यह फैसला उस समय आया है, जब मैक्सिको और ट्रंप प्रशासन के बीच बीते कई महीनों से वार्ता जारी है, ताकि व्यापक टैरिफ से बचा जा सके। यह डी मिनिमिस छूट के नाम से जानी जाती है, जिसके तहत 800 अमेरिकी डॉलर से कम कीमत वाले पार्सल अमेरिका में बिना टैरिफ के भेजे जा सकते हैं। यह छूट शुक्रवार को खत्म हो रही है। अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग के मुताबिक, 2024 में इस छूट के तहत कुल 1.36 अरब पार्सल भेजे गए ते, जिनकी कीमत 64.6 अरब डॉलर थी।

अमेरिकी अधिकारियों से बात कर रहा मैक्सिको : मैक्सिको सरकार ने कहा कि उसकी डाक सेवा कोरियोज डी मेक्सिको बुधवार से अमेरिका को पार्सल भेजने की सेवा अस्थायी रूप से रोक रही है। सरकार के बयान में कहा गया, मैक्सिको अमेरिकी अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय डाक संगठनों से बातचीत कर रहा है, ताकि सेवाओं को व्यवस्थित तरीके से दोबारा बहाल किया जा सके, जिससे उपभोक्ताओं का भरोसा बना रहे और वस्तुओं की डिलीवरी में बाधा न आए। इस घोषणा के साथ ही मैक्सिको भी ऑस्ट्रेलिया, जापान समेत उन देशों में शामिल हो गया है, जिन्होंने अमेरिका को पार्सल भेजने की सेवाओं को रोक दिया है, क्योंकि नए आयात कर को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

पत्र नहीं भेज पाए लोग : युनुएथ हर्नादेज बुधवार को अपने दो बच्चों को लेकर डाकघर आई थीं, ताकि वह अमेरिका में रहने वाले एक रिश्तेदार को पत्र भेज सकें। वह अपने बच्चों को यह दिखाना चाहती थीं कि पहले लोग कैसे संपर्क करते थे, जब ईमेल और इंटरनेट नहीं हुआ करता था। लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से हम चिट्ठी नहीं भेज पाए, क्योंकि वहां बताया गया कि टैरिफ के कारण अमेरिका को भेजी जाने वाली डाक सेवा रोक दी गई है। डाकघर के बाहर एक महिला रो रही थी क्योंकि वह अपने बॉयफ्रेंड को अमेरिका में दस पन्नों की चिट्ठी और कुछ तस्वीरें नहीं भे पाई।

मैक्सिको ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत की कोशिश कर रही है, ताकि टैरिफ को रोका जा सके। इसके लिए उसने देश के ड्रग माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की है और कई गैंगस्टरों को अमेरिका में मुकदमा चलाने के लिए सौंपा है।

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर ड्रोन और मिसाइलों से किया हमला, तीन की मौत; 12 घायल

कीव, एजेंसी। रूस ने गुरुवार तड़के यूक्रेन की राजधानी कीव पर ड्रोन और मिसाइलों से बड़ा हमला किया, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। कीव के शहरी प्रशासन के प्रमुख तैमूर त्काचेंको ने बताया कि मृतकों में 14 वर्षीय एक किशोर भी शामिल है। त्काचेंको ने कहा कि एक आवासीय इमारत पर सीधा हमला हुआ। उन्होंने बताया कि इस हमले से सबकुछ तबाह हो गया है।

कीव के शहरी प्रशासन के प्रमुख तैमूर त्काचेंको ने प्रारंभिक सूचना के हवाले से बताया कि मृतकों में 14 वर्षीय लड़की भी शामिल है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। त्काचेंको ने बताया कि डार्नित्स्की प्रांत में पांच मंजिला आवासीय इमारत पर सीधा हमला हुआ। मध्य कीव में हमले के कारण एक प्रमुख सड़क पर टूटे हुए कांच के टुकड़े बिखर गए।

20 से अधिक इलाके प्रभावित

बताया जा रहा है कि इस हमले से राजधानी कीव के 20 से अधिक इलाके प्रभावित हुए हैं। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंच गया है। राहत और बचाव कार्य जोरों पर है। बता दें कि यह हमला यूक्रेन में तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने की चर्चा के बीच हुआ है। इस महीने की शुरुआत में अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात के बाद यह कीव पर अब तक का सबसे बड़ा हमला है।

खबरों के अनुसार, रूसी सेना ने डोनेस्क प्रांत के निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र के कई गांवों पर कब्जा कर लिया है। जिस क्षेत्र पर रूसी सेना ने कब्जा किया है, वह यूक्रेन का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र है। यह यूक्रेन का आठवां हिस्सा है जहां रूसी सेना लड़ते हुए आगे बढ़ रही है। साथ ही, डोनेस्क के कई मोर्चों पर रूस और यूक्रेन की सेनाओं के बीच भीषण लड़ाई भी जारी है।

लिसा कुक की बर्खास्तगी के बाद अब अमेरिका ने सीडीसी निदेशक को हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। फेड गवर्नर लिसा कुक की बर्खास्तगी का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि अमेरिका की शीर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी की निदेशक सुसान मोनारेज को महज एक महीने के भीतर ही पद से हटा दिया गया। इसके साथ ही एजेंसी के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया। स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग (एचएचएस) ने बुधवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि सुसान मोनारेज अब रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की निदेशक नहीं हैं। हम उनकी अमेरिकी जनता के प्रति समर्पण के लिए धन्यवाद देते हैं। हालांकि, विभाग ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उन्हें पद से क्यों हटाया गया।

वाइट हाउस ने बुधवार को घोषणा की कि सीडीसी की निदेशक सुसान मोनारेज को शपथ ग्रहण के एक महीने से भी कम समय में बर्खास्त कर दिया गया। वैक्सीन नीतियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य निर्देशों पर बढ़ते तनाव के बीच कई वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया। विभाग की घोषणा से पहले सुसान ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) से कहा कि मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकती। बुधवार शाम उनके वकील मार्क जैद और एबे डेविड लोवेन ने एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि मोनारेज ने न तो इस्तीफा दिया और न ही उन्हें सूचित किया गया कि उन्हें हटाया गया है।

बयान में कहा गया, जब सीडीसी निदेशक सुसान ने गलत और बिना वैज्ञानिक आधार वाले आदेश का पालन करने से इनकार किया और ईमानदार डॉक्टरों को नहीं हटाया, तो उन्होंने जनता की सुरक्षा को राजनीति से ऊपर रखा। यही कारण है कि उन्हें निशाना बनाया गया। वकीलों ने आगे कहा, यह सिर्फ एक व्यक्ति का मामला नहीं है। यह हमारे सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर करने, विशेषज्ञों की आवाज दबाने और विज्ञान का राजनीतिकरण करने की कोशिश है। मोनारेज पर हमला हर अमेरिकी के लिए चेतावनी है कि हमारे वैज्ञानिक तंत्र को अंदर से नष्ट किया जा रहा है। सीडीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया, जिनमें उप निदेशक डॉ डेबरा हौरी, उभरती और जूनोटिक संक्रामक बीमारियों के लिए राष्ट्रीय केंद्र के प्रमुख डॉ डैनियल जर्निगन, और टीकाकरण व श्वसन रोगों के लिए राष्ट्रीय केंद्र के प्रमुख डॉ डेमेट्रे डस्कलाकिस शामिल हैं। डॉ हौरी ने एक ईमेल में लिखा कि बजट कटौती, पुनर्गठन और छंटनी के कारण एजेंसी पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि मैं जनता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हूं, लेकिन इन बदलते हालात में इस भूमिका को निभाना संभव नहीं समझती। उन्होंने टीकों को लेकर फैली अफवाहों और सीडीसी की संचार क्षमता पर नए प्रतिबंधों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि देश और दुनिया के कल्याण के लिए सीडीसी में वैज्ञानिक जानकारी को कभी नहीं रोका जाना चाहिए और न ही राजनीति के हिसाब से बदला जाना चाहिए। वहीं, डॉ डस्कलाकिस ने एक अलग ईमेल में लिखा कि मैं अब इस भूमिका में काम नहीं कर सकता, क्योंकि सार्वजनिक स्वास्थ्य को हथियार बनाया जा रहा है। दरअसल, व्हाइट हाउस ने सीडीसी के बजट में लगभग 3.6 बिलियन डॉलर की कटौती की मांग की थी, जिससे 2026 के लिए इसका बजट 4 बिलियन डॉलर रह गया। कैनेडी ने इस साल की शुरुआत में एक छंटनी योजना की घोषणा की थी, जिसके तहत 2,400 सीडीसी कर्मचारियों की छंटनी की गई, हालांकि लगभग 700 को फिर से काम पर रखा गया। बता दें कि तीन दिन पहले फेड गवर्नर लिसा कुक को भी पद से हटा दिया गया था।

फ्लोरिडा में इंद्रधनुषी क्रॉसवॉक हटाने का विवाद

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी। फोर्ट लॉडरडेल शहर के नेता बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को एक आपात बैठक करेंगे। इस बैठक में इस बात पर चर्चा की जाएगी कि राज्य सरकार के आदेश का कैसे जवाब दिया जाए, जिसमें कहा गया है कि सड़कों पर बने इंद्रधुनषी रंग के क्रॉसवॉक और दूसरी स्ट्रीट आर्ट को हटाना होगा। अगर शहर ने ऐसा नहीं किया तो उन्हें लाखों डॉलर की फंडिंग गंवानी पड़ सकती है। यह आदेश फ्लोरिडा के रिपब्लिकन गवर्नर रॉन डेसेंटिस के नेतृत्व वाले परिवहन विभाग ने दिया है। राज्य का कहना है कि सभी क्रॉसवॉक और स्ट्रीट आर्ट अगले महीने तक हटा दिए जाएं। ज्यादातर ये क्रॉसिंग एलजीबीटीक्यू+ एलजीबीटीक्यू+ और अश्वेत समुदाय जैसे हाशिए पर रहने वाले लोगों को सम्मान देने के लिए बनाए गए थे। आलोचकों का कहना है कि डेसेंटिस प्रशासन लगातार एलजीबीटीक्यू+समुदाय के खिलाफ फैसले ले रहा है। इससे पहले भी उन्होंने बच्चों के लिए जेंडर बदलने वाली देखभाल पर रोक लगाई और डोंट से गे नामक कानून बनाया, जिससे स्कूल की कुछ कक्षाओं में यौन पहचान और लिंग पर बात करने पर रोक लग गई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

पूर्व विधायक कोटडिया-पूर्व IPS जगदीश पटेल सहित14 को आजीवन कारावास

शैलेश भट्ट का अपहरण कर 200 बिटकॉइन हड़पकर 32 करोड़ की फिरौती मांगी थी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

साल 2018 के बिटकॉइन कांड और अपहरण केस में अहमदाबाद की सिटी सेशंस कोर्ट की ACB की विशेष अदालत ने पूर्व विधायक नलिन कोटडिया और पूर्व IPS जगदीश पटेल सहित 14 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पुलिस अधिकारियों ने बिल्डर शैलेश भट्ट का अपहरण कर उनसे 200 बिटकॉइन लिए और 32 करोड़ की फिरौती मांगी थी। सभी दोषियों को रातों-रात जेल भेजा गया। उल्लेखनीय है कि नलिन कोटडिया 2012 में GPP से धारी सीट से विधायक बने थे।

2018 में सूरत के बिल्डर शैलेश भट्ट का गांधीनगर से अपहरण कर उन्हें एक फार्म हाउस में बंदी बनाकर बिटकॉइन लूटने का आरोप अमरेली पुलिस पर लगा था। केतन पटेल और पूर्व विधायक नलिन कोटडिया को जानकारी मिली थी कि शैलेश भट्ट और उनके साथियों ने सूरत के धवल मावाणी से 200 बिटकॉइन लूटे हैं। इसी आधार पर नलिन कोटडिया, केतन पटेल और किरीट पालडिया ने शैलेश भट्ट को लूटने की योजना बनाई। इसमें सबसे पहले CBI इंस्पेक्टर सुनील नायर ने 5 करोड़ रुपये नकद लिए। इसके बाद अमरेली पुलिस के साथ मिलकर 12 करोड़ के बिटकॉइन ले लिए। मामले की शिकायत होते ही CID क्राइम ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इन दोषियों के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज हुआ। यह केस अहमदाबाद की सिटी सिविल एंड सेशंस कोर्ट स्थित ACB की विशेष अदालत में चला। सरकार की ओर से विशेष सरकारी वकील अमित पटेल की नियुक्ति की गई। शैलेश भट्ट की अर्जी पर उच्च पुलिस अधिकारी और CBI इंस्पेक्टर

पूर्व विधायक, पूर्व IPS,LCB PI और CBI इंस्पेक्टर सहित 15 गिरफ्तार

इस मामले में तत्कालीन अमरेली पुलिस प्रमुख जगदीश पटेल, तत्कालीन अमरेली LCB PI अनंत पटेल, तत्कालीन CBI इंस्पेक्टर सुनील नायर,पालडिया, वकील केतन पटेल, पुलिसकर्मी और पूर्व BJP विधायक नलिन कोटडिया सहित 15 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। इनमें से केवल जतीन पटेल को निर्दोष करार दिया गया। आरोपियों के वकील परेश वाघेला ने कहा कि फैसले का अध्ययन कर हाईकोर्ट में अपील की जाएगी। यह फैसला 547 पन्नों का है। इसमें सरकार की ओर से 172 गवाहों की जिरह हुई जबकि बचाव पक्ष ने केवल 1 गवाह पेश किया। 2018 में चार्जशीट दायर हुई थी और अंतिम बहस करीब तीन महीने तक चली। इस दौरान लगभग 92 गवाह पलट गए। शिकायतकर्ता शैलेश भट्ट के वकील राजेश रूपारेलिया ने सरकारी पक्ष का समर्थन नहीं किया था। बाद में उन्हें अतिरिक्त गवाह के रूप में बयान देना पड़ा।

किसका क्या रोल था ?

नलिन कोटडिया (पूर्व विधायक)
शैलेश भट्ट के बिटकॉइन खरीदने की जानकारी मिलने पर नलिन कोटडिया ने उनसे मोटी रकम वसूलने की योजना बनाई।
उन्होंने तत्कालीन अमरेली स्क्र के साथ हाथ मिलाया और यह पूरा कांड सामने आया।

जगदीश पटेल (तत्कालीन अमरेली SP)
अमरेली स्क्र रहते हुए जगदीश पटेल ने नलिन कोटडिया के साथ मिलकर शैलेश भट्ट पर छापा मारा और करोड़ों रुपये वसूले।

सुनील नायर (तत्कालीन CBI इंस्पेक्टर)
7 फरवरी 2018 को शाम 5:47 बजे सुनील नायर ने शैलेश भट्ट को फोन कर CBI ऑफिस बुलाया। भट्ट अपने वकील धर्मेश पटेल और साथियों के साथ पहुंचे।
8 फरवरी को मुलाकात के दौरान नायर ने 5 करोड़ की मांग की। इसमें से 4 करोड़ रुपये गांधीनगर की इंफोसिटी स्थित आंगड़िया फर्म *मेसर्स उमेशचंद्र एंड संस में भेजे गए थे, जिसे किरीट पालडिया ने सुनील नायर तक पहुंचाया।

शैलेश भट्ट पर भी आरोप

शैलेश भट्ट पर आरोप है कि उन्होंने 2257 बिटकॉइन, लाइटकॉइन और 14.5 करोड़ रुपये इस्तेमाल किए या छिपाए। उन्होंने *बिटकनेक्ट कंपनी* के पदाधिकारियों और कर्मचारियों का अपहरण कर 2021 बिटकॉइन, 11000 लाइटकॉइन और 14.5 करोड़ रुपये की फिरौती वसूली थी।

शैलेश भट्ट ने बिटकनेक्ट कंपनी में लगभग 1.14 करोड़ रुपये गंवाए थे, जिसके बाद उन्होंने योजना बनाकर कंपनी के पदाधिकारियों और कर्मचारियों का अपहरण कर बिटकॉइन, लाइटकॉइन और नकद रुपये वसूल किए। उन्होंने उस समय अमरेली स्क्र जगदीश पटेल और अन्य पुलिस अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया था कि उन्हें किडनैप कर 176 बिटकॉइन छीन लिए गए। भट्ट ने दूसरी शिकायत ष्ट्रक्चढ्ढ इंस्पेक्टर सुनील कुमार के खिलाफ की थी, जिसने श्वष्ठ और आयकर विभाग की धमकी देकर 10 करोड़ की रिश्वत मांगी थी। सौदा 5 करोड़ में तय हुआ था और 4.60 करोड़ का भुगतान किया गया था।

HC में लगातार तीसरे दिन कामकाज बंद

हाईकोर्ट के एडवोकेटों की हड़ताल में निचली अदालतों के 271 वकील मंडल भी जुड़ेंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

हाईकोर्ट के वकीलों का कहना है कि कोई जवाब न मिलने के चलते हड़ताल अभी जारी रहेगी।

जस्टिस संदीप भट्ट के तबादले के विरोध में HC में लगातार तीसरे दिन कामकाज बंद रहा। गुजरात हाईकोर्ट के जस्टिस संदीप भट्ट के तबादले के विरोध में शुक्रवार को भी वकीलों ने हड़ताल जारी रखी। इतना ही नहीं, निचली अदालतों के 271 वकील मंडल भी इस हड़ताल में शामिल होंगे। हाईकोर्ट में पिछले 3 दिनों से हड़ताल चल रही है, जिसके चलते रोज़ाना 5 से 10 हजार मामले लंबित रह जाते हैं। हाईकोर्ट के मुख्य द्वार के बाहर वकीलों ने जस्टिस संदीप भट्ट के तबादले के खिलाफ नारेबाजी की। पिछले तीन दिनों की हड़ताल के दौरान निचली अदालतों के 271 वकील मंडलों ने भी इसमें शामिल होने के लिए बैठक की है। अगर वकील मंडल हड़ताल में शामिल होते हैं तो राज्यभर की अदालतें प्रभावित होंगी और आंदोलन का रूप ले लेंगी।

हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि जस्टिस संदीप भट्ट का तबादला किन कारणों से किया जा रहा है, इस पर कोई पारदर्शिता नहीं है। न्यायपालिका में जस्टिस संदीप भट्ट जैसे न्यायाधीशों से ही पारदर्शिता बनी रहती है। उनका तबादला करके कुछ तत्व पक्षपातपूर्ण रवैया दिखा रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल को अब तक कोई जवाब नहीं मिला है, इसलिए हड़ताल जारी रहेगी। हाईकोर्ट की रजिस्ट्री में प्रशासनिक पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से जस्टिस संदीप भट्ट ने सीसीटीवी कैमरों के आदेश का पालन करने का निर्देश दिया था। इस सिंगल जज के आदेश के खिलाफ रजिस्ट्रार जनरल ने खंडपीठ में अपील की थी। खंडपीठ ने उसी दिन आदेश रद्द कर दिया और उसी दिन जस्टिस संदीप भट्ट का तबादला मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट से अब तक कोई जवाब नहीं आया है, इसलिए लड़ाई जारी रहेगी। वकीलों का एक प्रतिनिधिमंडल सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस से मिलने गया था।

हाल ही में हाईकोर्ट ने वर्षों पुराने आपराधिक अपीलों का निपटारा करने के लिए शनिवार को भी अदालतें चलाने का निर्णय लिया था। इसके तहत शनिवार को 8 से 10 कोर्ट अपीलों की सुनवाई कर रही थीं। लेकिन लगातार 3 दिनों की हड़ताल के कारण 33 कोर्ट का कामकाज ठप रहा, जिससे मामलों का बोझ घटने के बजाय और बढ़ गया।

सोशल मीडिया पर बदनाम करने की धमकी देकर मांगी1 लाख रुपये की फिरौती

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

व्यापारी को बदनाम करने का प्रयास "मैं सोशल मीडिया पर तुम्हारे बारे में पोस्ट डालता हूँ, अगर यह बंद करवाना हो तो मुझे 1 लाख रुपये देने पड़ेंगे, नहीं तो मैं अपमानजनक पोस्ट डालता रहूँगा।" — ऐसा कहकर एक एम्ब्रॉयडरी व्यापारी से पैसे मांगे गए। व्यापारी ने रुपये न देने पर आरोपी ने उसे और उसके परिवार को बदनाम करने वाली पोस्ट वायरल कर दी।

इस मामले में एम्ब्रॉयडरी व्यापारी ने लसकाणा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। जिसके आधार पर पुलिस ने खंडणीखोर दिनेश कालू गोपाणी (निवासी सुंदरपार्क सोसायटी, आंबातलावडी, कतारगाम) के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

इसके अलावा दिनेश गोपाणी ने सोशल मीडिया पर "बाजीराव सिंघम" नाम से आईडी बनाई थी। लसकाणा में रहने वाला 34 वर्षीय युवक एम्ब्रॉयडरी का व्यापारी होने के साथ-साथ सामाजिक कार्यकर्ता भी है। व्यापारी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली थी।

इस पोस्ट को लेकर उनके पिता के पास एक महिला का फोन आया था। इसके चलते व्यापारी ने उस महिला के खिलाफ लसकाणा पुलिस स्टेशन में आवेदन दिया था। आवेदन के बाद पुलिस ने महिला को थाने बुलाया और दोनों के बीच समझौता कराया।

उस समय महिला के साथ दिनेश गोपाणी भी पुलिस स्टेशन आया था। थोड़ी देर बाद जब व्यापारी पुलिस स्टेशन से निकलकर लसकाणा चार रास्ता पहुंचा, तभी दिनेश का फोन आया। दिनेश ने 1 लाख की फिरौती मांगी। पैसे न देने पर दिनेश ने व्यापारी और उसके परिवार को बदनाम करने वाली अपमानजनक पोस्ट डाल दी।

1 लाख से अधिक श्रीजी के विसर्जन तक की तैयारी

14 हजार से अधिक पुलिस जवान तैनात, संवेदनशील क्षेत्रों में 7 वज्र-1 वरुण वाहन की सुरक्षा,3 समुद्र तटों पर 14 क्रेन लगाई गईं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत अपने गतिशील उद्योगों और भव्य त्योहारों की उत्सवधर्मिता के लिए जाना जाता है। यहां गणेश चतुर्थी पर्व भारी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष शहर में अनुमानित 1 लाख से अधिक गणेशजी की प्रतिमाओं की स्थापना हुई है। उनके विसर्जन को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में सम्पन्न कराने के लिए सूरत पुलिस ने अभूतपूर्व और व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। यह विशाल आयोजन मानवीय संसाधनों, आधुनिक तकनीक और समन्वय का उत्तम उदाहरण है। सूरत में गणेशोत्सव को लेकर 14 हजार से अधिक पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। पिछले वर्ष सैयदपुरा में पथराव और घटना हुई थी, जिसके चलते ऐसे संवेदनशील इलाकों में क्राइम ब्रांच की 10 टीमें और स्ह्रत्र सहित अन्य शाखाओं की 10 टीमें तब तक तैनात रहेंगी जब तक सभी लोग अपने घर नहीं लौट जाते।

गणेश विसर्जन के लिए कुल 24 ओवरों की व्यवस्था की गई है, जिनमें 21 कृत्रिम तालाब और 3 प्राकृतिक घाट शामिल हैं। पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, छोटे (1 से 5 फुट) मूर्तियों का विसर्जन कृत्रिम तालाबों में और 5 फुट से बड़ी मूर्तियों का विसर्जन प्राकृतिक घाटों पर किया जाएगा। तीन समुद्र तटों पर 14 बड़ी क्रेन और बोट की मदद से विसर्जन कराया जाएगा।

इस विशाल आयोजन की सुरक्षा के लिए एक बड़ा पुलिस बल लगाया गया है। इसमें 1 CP, 1 स्पेशल CP, 2 JCP, 22 DCP, 33 ACP और 159 PSI जैसे उच्च अधिकारी मौजूद रहेंगे। इनके अलावा 6575 पुलिसकर्मी और 5000 होमगार्ड्स भी सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगे। 12 SRP कंपनियां भी तैनात की गई हैं। पहली बार महिला SRP की टुकड़ी भी तैनात होगी। साथ ही, यातायात व्यवस्थित रखने के लिए 6000 ट्रैफिक ब्रिगेड जवानों को भी विशेष ड्यूटी सौंपी गई है ताकि विसर्जन यात्रा के दौरान यातायात बाधित न हो।

शहर की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अन्य जिलों से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है। इसमें 5 DCP, 13 ACP, 35 PI, 74 PSI, 600 पुलिसकर्मी और 3500 होमगार्ड्स शामिल हैं। इसके साथ ही 8 SRP कंपनियां भी मदद करेंगी। आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग सूरत पुलिस की इस व्यवस्था की खासियत है। लगातार हवाई निगरानी के लिए 20 ड्रोन कैमरे लगाए जाएंगे। 900 बॉडी वॉन कैमरे और 125 वीडियो कैमरे घटनाओं का रिकॉर्ड रखेंगे। 2000 CCTV कैमरे और 150 AI कैमरे भी अहम स्थानों पर लगाए गए हैं। पुलिस की गश्त और विशेष टीमें लगातार सक्रिय रहेंगी। 530 बाइक और 326 पेट्रोलिंग वाहन चौकसी करेंगे। क्राइम ब्रांच की 10 और SOG की 10 टीमें भी विभिन्न जगहों पर मौजूद रहेंगी।

संवेदनशील जगहों पर तुरंत कार्रवाई के लिए 7 वज्र वाहन और 1 वरुण वाहन तैयार रहेंगे। 450 धाबा पॉइंट और 10 वॉच टावर से पुलिस ऊँचाई से इलाके पर नजर रखेगी। यह दर्शाता है कि सूरत पुलिस नागरिकों की सुरक्षा और शांतिपूर्ण त्योहार आयोजन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस व्यवस्था से भक्तजन और आम नागरिक सुरक्षित रूप से गणेश विसर्जन का आनंद ले सकेंगे।

बड़ी मूर्तियों के लिए रूट मैप सर्वे चल रहा है और किस बड़ी मूर्ति का विसर्जन किस समुद्र तट पर होगा, इसके लिए हर गणेश पंडाल पर पुलिस मेंटर नियुक्त किए गए हैं। वे सभी कार्यों की निगरानी करेंगे और विसर्जन की प्रक्रिया में मदद करेंगे। विसर्जन यात्रा में पुलिस जवान भी शामिल रहेंगे।

सूरत में वर्षों से निकलने वाला ईद-ए-मिलाद का जुलूस इस बार 5 सितंबर शुक्रवार की जगह 7 सितंबर रविवार को निकलेगा। पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत की अध्यक्षता में सूरत शहर सिरतुननबी कमिटी और लिम्बायत सिरतुननबी कमिटी के नेताओं की बैठक में ईद-ए-मिलाद जुलूस के रूट पर चर्चा हुई।

ईद-ए-मिलाद पर देशभर के शहरों में छोटे-बड़े जुलूस निकालकर पैगंबर साहब का शांति और भाईचारे का संदेश फैलाया जाता है। सूरत में परंपरा अनुसार 7 सितंबर रविवार शाम 4 बजे पारंपरिक जुलूस निकलेगा। यह बडेखा चकला, रांदेर, मानदरवाजा, सलाबतपुरा, चिमनी टेकरी, सैयदपुरा, होडी बंगला, गोपीपुरा, मोमनावाड़, नानपुरा, बेगमपुरा, शाहपुर, उधना, भेस्तान सहित मुस्लिम इलाकों से निकलते छोटे जुलूसों के मिलन से बनेगा। मुख्य जुलूस टावर से होते हुए भागल राजमार्ग, लिमडाचौक, लालगेट, भागातलाव, चौकबाजार कमाल गली, सागर होटल गली, बडेखा चकला से गुजरते हुए हजरत ख्वाजादान साहब की दरगाह पर समाप्त होगा।

लिम्बायत का जुलूस मोहम्मदी मस्जिद से निकलेगा और मदीना मस्जिद होते हुए मीठी खाड़ी मेन रोड, आंजना फार्म, रघुकुल रेलवे, फिर अब्दुल नबी सलाबतपुरा पहुंचकर पूरा होगा।

पुलिस की तैयारियां

*सभी थानों पर शांति समिति और मोहल्ला बैठकें आयोजित हुईं।

* संवेदनशील क्षेत्रों में रूट मार्च और वाहन चेकिंग की गई।

* अलग-अलग एजेंसियों, सूरत महानगर पालिका, GEB, टोरेंट पावर, JETCO अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकें हुईं।

* गणेश महोत्सव में कुल 736 संदिग्धों पर रोकथाम कार्रवाई हुई।

* विसर्जन रूट की बाधाओं की जांच की गई।

* गणेशोत्सव और ईद-ए-मिलाद को लेकर अलग-अलग नोटिस जारी हुए।

एकल प्री दिवाली मेले में उमड़ीं महिलाओं की भीड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा दो दिवसीय एकल प्री दिवाली मेले का आयोजन शुक्रवार से सिटी-लाईट स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया। मेले के पहले दिन ही महिलाओं की अच्छी भीड़ देखने को मिली। मेले की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई। मेले में एकल ग्रामोथन फाउंडेशन द्वारा ग्रामीणों से बनाई हल्दी, दीपक, रागी पापड़ आदि का भी प्रदर्शन किया गया। मेले में विभिन्न तरीक़ों के डिज़ाइनर परिधान, ज्वैलरी, आर्ट-क्राफ़्ट वर्क, आगामी दिवाली के त्यौहार को देखते हुए होम डेकॉर आदि का भव्य प्रदर्शन किया गया है। मेले का समापन शनिवार को होगा।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ गणपति महोत्सव

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वेसू स्थित नंदिनी-1 सोसायटी में गणपति महोत्सव की शुरुआत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ की गई। महोत्सव में बुधवार को आरती के पश्चात डांस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। गुरुवार को गणपति पंडाल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ज्ञात रहे की नंदिनी-1 सोसायटी के गणपति महोत्सव को देखने आसपास की सोसायटियों से भी लोग आते है। महोत्सव में अनेकों सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन आगामी दिनों में किया जाएगा।